आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, शुक्रवार 20 फरवरी 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 99
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

तेज रफ्तार स्कार्पियो कपड़ों के शोरूम में घुसी

पेज-2

'वाराणसी' को लेकर प्रियंका चोपड़ा क्रेजी

पेज-5

राज्यपाल को रसोई में दिखी गंदगी, खाना छोड़ा

पेज-6

संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत की 'सीक्रेट' मीटिंग्स

कल रात में योगी से 35 मिनट बात... सुबह दोनों डिप्टी सीएम से मुलाकात

लखनऊ (एजेंसी) ● उत्तर प्रदेश की पॉलिटिक्स में इन दिनों पर्दे के पीछे बहुत कुछ चल रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने उत्तर प्रदेश में राजनैतिक समीकरणों को साधने का बीड़ा स्वंय उठा लिया है। बुधवार रात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आरएसएस चीफ मोहन भागवत के साथ 35 मिनट तक चर्चा की।

गुरुवार सुबह दोनों डिप्टी चीफ मिनिस्टर केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक ने भी आरएसएस चीफ से 15-15 मिनट की मुलाकात की। सीएम योगी आदित्यनाथ की दोनों डिप्टी सीएम से मुलाकात के बाद इस मीटिंग को काफी अहमियत दी जा रही है। इन मुलाकातों ने उत्तर प्रदेश के पॉलिटिकल गलियारों में चर्चाओं की एक नई लहर पैदा कर दी है। सूत्रों से पता चलता है कि संघ प्रमुख मोहन भागवत ने तीनों नेताओं से यूजीसी बिल, शंकराचार्य मुक्तेश्वर आनंद विवाद और मणिकर्णिका घाट गिराए जाने के मुद्दे पर फीडबैक मांगा, जो कुछ समय से खबरों में हैं। चर्चा 2027 के चुनावों से पहले आरएसएस संगठन और सरकार की तैयारियों पर भी फोकस रही। आने वाले दिनों में यूपी बीजेपी और सरकार में बदलाव को लेकर भी चर्चा के संकेत हैं।

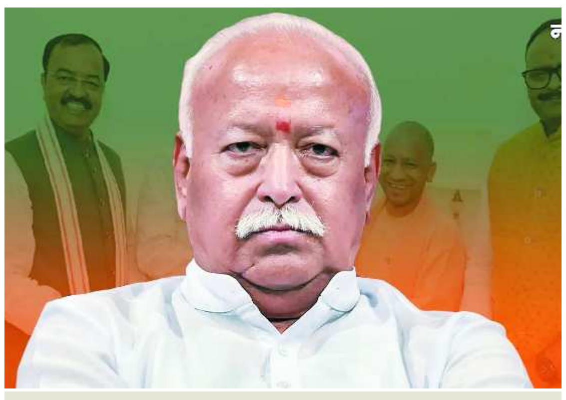

संघ संभालेगा 2027 चुनाव की कमान!

इसीलिए संघ इस बार जमीन पर पूरी तरह सक्रिय रहेगा। 2024 के आम चुनाव के बाद जिस तरह से संघ ने महाराष्ट्र, हरियाणा और बिहार में अपनी ताकत दिखाई है उसे देखते हुए अब वह 2027 में अपनी भूमिका तय कर सकता है। हालांकि, मोहन भागवत ने साफ कर दिया है कि वह बीजेपी को रिमोट से कंट्रोल नहीं करते, बल्कि हिंदू-समर्थक एजेंडा चलाने वाली सभी पार्टियां उनके लिए बराबर हैं।

संभावित कैबिनेट विस्तार और प्रदेश अध्यक्ष की लीडरशिप में नई ऑर्गेनाइजेशनल टीम को लेकर भी बातचीत हुई। सूत्रों का कहना है कि आरएसएस से लेकर बीजेपी तक टॉप लीडरशिप 2024 के लोकसभा चुनाव की गलतियों को 2027 के विधानसभा चुनाव में दोहराना नहीं चाहती। आरएसएस चीफ से मीटिंग से ठीक पहले डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक का 101 बटुकों को सम्मानित करना एक बड़े सियासी संदेश के तौर पर देखा जा रहा है। कुछ लोग इसे सीएम योगी आदित्यनाथ से टकराव के तौर पर देख रहे हैं, लेकिन इसका मकसद और बड़ा माना जा रहा है। अखिलेश यादव लगातार योगी सरकार पर 'ब्राह्मण विरोधी' होने का आरोप लगाते रहे हैं। ऐसे में ब्रजेश पाठक का बटुकों के सम्मान में आगे आना और केशव मौर्य का शंकराचार्य के समर्थन में खड़ा होना, विपक्ष के हाथों से ब्राह्मण कार्ड छीनने की बीजेपी की सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है।

सेमीफाइनल में हो सकती है भारत-पाकिस्तान की भिड़ंत

नई दिल्ली (एजेंसी) ● कोलंबो के मैदान पर भारत की धमाकेदार जीत और पाकिस्तान की शानदार वापसी ने टी20 वर्ल्ड कप के रोमांच को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। ग्रुप-ए के मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 61 रनों से करारी शिकस्त देकर न केवल अपनी बादशाहत साबित की, बल्कि सुपर-8 में भी शान से जगह बनाई। अब क्रिकेट जगत की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि क्या इस टूर्नामेंट में एक बार फिर इन दो चिर-प्रतिद्वंद्वियों के बीच 'महामुकाबला' देखने को मिलेगा। दोनों टीमें सेमीफाइनल में फिर भिड़ सकती हैं। भारत का ग्रुप स्टेज अभियान किसी सपने से कम नहीं रहा है। पाकिस्तान के खिलाफ मैच में ईशान किशन ने महज 40 गेंदों में 77 रनों की तूफानी पारी खेलकर भारतीय बल्लेबाजी की रीढ़ साबित की। ईशान की इस पारी की बदौलत भारत ने एक मजबूत स्कोर खड़ा किया, जिसे बचाते हुए हार्दिक पांड्या और जसप्रीत बुमराह ने अपनी सटीक गेंदबाजी से पाकिस्तानी बल्लेबाजी क्रम को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। इस 61 रन की जीत ने भारत को ग्रुप में अजेय रखा और सुपर-8 के लिए क्वालीफाई करने वाली प्रमुख टीम बना दिया। दूसरी ओर, भारत से हारने के बाद पाकिस्तान की राह कठिन लग रही थी, लेकिन टीम ने जबरदस्त वापसी की। नामीबिया के खिलाफ मैच में साहिबजादा फरहान ने एक यादगार शतक जड़ते हुए पाकिस्तान को 102 रनों की विशाल जीत दिलाई।

न्यूज ब्रीफ

- ऑपरेशन सिंदूर की एनिवर्सरी करीब, तीसरी परमाणु पनडुब्बी को कमीशन करने जा रहा भारत
- इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में शामिल होंगे आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू
- लखनऊ पहुंचे राहुल गांधी, मानहानि केस में सुल्तानपुर के कोर्ट में होंगे पेश
- यूपी बोर्ड : 27,052 छात्रों ने दूसरे दिन छोड़ी परीक्षा, अब तक 3,40,760 छात्र रहे गैर-मौजूद
- अमेरिकी विदेश विभाग ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए लॉन्च किया ईड्ज एआई पैकेज
- कर्नाटक : बागलकोट में शिवाजी जयंती जुलूस के दौरान सांप्रदायिक झड़प, मस्जिद के पास पथराव
- पाक पीएम शहबाज शरीफ ने की ट्रंप की तारीफ, बताया 'मैन ऑफ पीस' और 'साउथ एशिया का मसीहा'
- मप्र : मंदिर में तोड़फोड़ के बाद जबलपुर में भड़की हिंसा, दो पक्षों के बीच जमकर पथराव

देपालपुर बैंकों में 10, 20 के फ्रेश नोट नहीं, बाजार में बिक रही 1500 में गड्डी

फ्रेश नोट नहीं है तो बाजार में कैसे बिक रही गड्डियां ?

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

बैंकों में 10, 20 और 50 के नोटों की बड़ी किल्लत सामने आ रही है, लेकिन बाजार में 10, 20 के नोटों की गड्डी ऊंचे दामों में बिक रही है। ग्राहक बैंकों में जाता है तो कहा जाता है कि बैंक में गड्डी नहीं है। बैंक कर्मचारी ग्राहक को जवाब देता है कि फ्रेश गड्डी चाहिए तो दिवाली पर आना पड़ेगा, लेकिन सबसे बड़ा सवाल कि जब बैंकों में 10-20 के नोटों की गड्डी नहीं है तो बाजार में नोट कहां से आ रहे हैं? 10 के नोट की गड्डी 1500 रु. में बिक रही है, 20 के नोटों की गड्डी 2700 में बिक रही है, यह कैसे हो सकता है? सूत्र बताते कि कहीं ना कहीं बैंक कर्मचारी की मिलीभगत है, क्योंकि बिना बैंक से निकले गड्डी बाजार में नहीं बिक सकती या फिर बैंक के गड्डी सप्लाई करने वाले दलाल सक्रिय है, जो ऊंचे दामों में गड्डी खरीद कर बाजार में बेच रहे है। आम जनता बैंकों पर भरोसा करती है, उसको उम्मीद रहती है कि हमें फ्रेश गड्डी की जरूरत होगी तो कभी भी मिल जाएगी, लेकिन ग्राहक बैंकों के चक्कर लगता ही रहता है और बैंक कर्मचारी उसको घूमाते रहते हैं। बैंक का व्यापार आज आम जनता के भरोसे है, लेकिन इस प्रकार से फ्रेश गड्डी में आम जनता के साथ खिलवाड़ होगा तो आम जनता बैंकों पर कैसे भरोसा करेंगी? सोशल मीडिया पर प्रचार प्रसार कर बेच रहे हैं 10-20 के नोटों की गड्डियां यहां तक कि दलाल अपना मोबाइल नंबर भी डाल देते हैं, जब ग्राहक द्वारा फोन लगाया जाता है तो कहां जाता है कि 10 के नोट की गड्डी फ्रेश 1500 में मिलेगी, एक हाथ चली हुई 1300 में मिलेगी। हमें भी ऊपर पैसे देकर गड्डी मंगवानी पड़ती है। ऐसी कोई गड्डी देता है, क्या ये सब सेटिंग का काम है? शादियों के सीजन में गड्डी खरीदना मजबूरी बन जाती ग्राहकों के लिए। बैंक के जिम्मेदार अधिकारियों को इस बात का संज्ञान लेकर पता लगाना चाहिए कि फ्रेश गड्डी मार्केट में कहां से आ रही है? कौन दे रहा है? कौन दलालों तक सप्लाई कर रहा है? उस पर कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। साथ ही यह भी पता लगाना होगा कि बैंकों से गड्डी बाजार में कैसे जा रही है? ऐसा ही चला रहा बैंकों से ग्राहकों का भरोसा उठ जाएगा।

2029 में नरेन्द्र मोदी नहीं, प्रियंका गांधी बनेगी पीएम!

गुवाहाटी (एजेंसी) ● देश में अगला लोकसभा चुनाव 2029 में होना है, लेकिन सियासी अटकलें अभी से शुरू हो चुकी हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक बाबा कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी को आशीर्वाद देते हुए कहते हैं कि 'बेटी प्रधानमंत्री बनेगी।' इसी एक लाइन ने राजनीतिक बहस को नया मोड़ दे दिया है। सवाल उठ रहा है कि क्या यह सिर्फ आशीर्वाद है या 2029 की राजनीति की कोई झलक?

यह पूरा मामला उस वक्त का है जब प्रियंका गांधी वाड्रा दो दिवसीय दौरे पर असम पहुंचीं। यह दौरा 2026 के विधानसभा चुनावों की तैयारियों के लिहाज से अहम माना जा रहा है। लेकिन असली सुर्खियां उनके राजनीतिक कार्यक्रम से ज्यादा एक धार्मिक स्थल पर हुई घटना ने बटोरीं।

19 फरवरी को प्रियंका गांधी वाड्रा दो दिवसीय दौरे पर असम पहुंचीं और सीधे गुवाहाटी स्थित प्रसिद्ध कामाख्या मंदिर में दर्शन के लिए गईं। यह दौरा 2026 असम विधानसभा चुनाव की तैयारियों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जहां कांग्रेस स्क्रीनिंग कमिटी की अध्यक्ष के तौर पर वे उम्मीदवारों का मूल्यांकन और संगठन मजबूत करने पर फोकस कर रही हैं। हालांकि, सबसे ज्यादा ध्यान कामाख्या मंदिर में उनके दर्शन के दौरान एक बाबा (संन्यासी) द्वारा दिए गए आशीर्वाद पर गया। मंदिर परिसर में एक नागा साधु, जिन्हें वहां मौजूद लोग अघोरी बाबा कह रहे थे, ने उनके साथ फोटो खिंचवाई। इसी दौरान उन्होंने उनके सिर पर हाथ रखकर कहा कि 'हमारी बेटी प्रधानमंत्री बनेगी।' प्रियंका हल्की मुस्कान के साथ आगे बढ़ गईं, लेकिन यह छोटा सा पल कैमरे में कैद हो गया।

लोग इसे 2029 लोकसभा चुनाव से लिंक कर रहे हैं। अगला आम चुनाव 2029 में होगा, क्योंकि 2024 में चुनी गई 18वीं लोकसभा का टर्म 2029 तक चलेगा। मोदी तीसरी बार पीएम बने हैं, लेकिन क्या प्रियंका उन्हें चैलेंज करेंगी? यह स्पेकुलेशन बढ़ा रहा है। प्रियंका ने खुद 2024 में एक इंटरव्यू में बताया था कि एक ज्योतिषी ने उनके हाथ देखकर [illegible]बनने की भविष्यवाणी की थी। यह पुरानी स्टोरी अब नए वीडियो से जुड़ गई है। प्रियंका राजीव भवन में ब्लॉक, जिला और प्रदेश कांग्रेस कमिटी के साथ मीटिंग्स कर रही हैं। महिला कांग्रेस, एनएसयूआई और अन्य फ्रंटल ऑर्गनाइजेशन्स से भी बातचीत।

विधानसभा | चार बार कार्यवाही स्थगित, मंत्रियों के इस्तीफे की मांग पर हंगामा

भागीरथपुरा दूषित जल कांड में सरकार ने माना हुई 22 मौते

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● भागीरथपुरा में दूषित पानी से हुई मौतों का मुद्दा विधानसभा में गरमाया, विपक्ष ने सरकार को घेरा। हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही कई बार स्थगित करनी पड़ी और मुआवजे व मंत्रियों के इस्तीफे की मांग पर विपक्ष अड़ा। हालांकि बाद में शुक्रवार को अध्यक्ष के चर्चा कराने के आश्वासन के बाद हंगामा शांत हुआ।

इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में फैली दूषित बीमारी का मुद्दा गुरुवार को विधानसभा में गरमाया। प्रश्नकाल के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जिसके बाद कांग्रेस विधायक नारेबाजी करते हुए गर्भगृह में पहुंच गए। विपक्ष के हंगामे के चलते चार बार विधानसभा की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। प्रश्नकाल में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भागीरथपुरा में दूषित पानी की घटना को लेकर सवाल उठाया। उन्होंने छिंदवाड़ा में जहरीले कफ सिरप से मौतों का भी मामला उठाया और मंत्रियों के इस्तीफे की मांग की। इस पर जमकर हंगामा हुआ। विस स्पीकर नरेंद्र सिंह तोमर ने व्यवस्था देते हुए कहा कि नियमावली के अनुसार न्यायालय या किसी आयोग की जांच में शामिल विषय पर ऐसी कोई चर्चा नहीं होनी चाहिए जिससे जांच प्रभावित हो। उन्होंने कहा कि प्रश्नकर्ता की ओर से ऐसा कोई प्रश्न न पूछा जाए और सरकार की ओर से ऐसा कोई उत्तर न दिया जाए, जिससे न्यायालय में विचाराधीन विषय प्रभावित हो।

प्रश्न के जवाब में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग ने बताया कि 21 से 29 दिसंबर 2025 के बीच डायरिया के मामलों में असामान्य वृद्धि दर्ज की गई। 29 दिसंबर को स्थिति की गंभीरता स्पष्ट हुई। सरकार ने सदन में जानकारी दी कि अब तक 22 मौतों की पुष्टि हुई है। कुल 459 मरीज अस्पताल में भर्ती किए गए, जिनमें से 4 मरीजों का उपचार जारी है। प्रयोगशाला जांच में हैजा और ई.कोलाई संक्रमण की पुष्टि हुई है। नमूनों की जांच एनआईआरबीआई-कोलकाता, एमजीएम माइक्रोबायोलॉजी लैब और डीपीएचएल-इंदौर में कराई गई। नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने कहा कि पूरे इंदौर को पता है कि 35 लोगों की अब तक मौत हो चुकी है। सरकार ने प्रत्येक मृतक के परिजन को 2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। विपक्ष ने इसे अपर्याप्त बताते हुए 4 लाख रुपये मुआवजे की मांग की। इस पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि सरकार संवेदनशील है और आवश्यकता पड़ने पर मुआवजे की राशि बढ़ाने पर विचार किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई करते हुए एक आईएएस अधिकारी को निलंबित किया गया है।

मंत्रियों के इस्तीफे की मांग को लेकर नारेबाजी

मुआवजे और इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस विधायकों ने हंगामा किया। उन्होंने मंत्रियों के इस्तीफे की मांग करते हुए नारेबाजी की। स्पीकर ने प्रश्नकाल की मर्यादा बनाए रखने की अपील की, लेकिन नारेबाजी जारी रहने पर 11:58 बजे सदन की कार्यवाही 10 मिनट के लिए स्थगित कर दी गई। 12:07 बजे कार्यवाही दोबारा शुरू हुई, लेकिन विपक्ष के सदस्य वेल में बैठकर नारेबाजी करते रहे। उमंग सिंघार ने कहा कि यह मृत्यु नहीं, हत्या है। उन्होंने कहा कि यह सिस्टम की वजह से हुई मौतें हैं और मंत्रियों को नैतिक आधार पर इस्तीफा देना चाहिए। 12:10 बजे अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक स्थगित कर दी। 2:01 बजे कार्यवाही फिर शुरू हुई।

लाड़ली बहनों को मिलेंगे तीन हजार रुपए!

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्य प्रदेश की बीजेपी सरकार की मास्टर स्ट्रोक लाड़ली बहना योजना पूरी रफ्तार से चलेगी। अभी लाड़ली बहनों को डेढ़ हजार रुपये प्रति माह मिल रहे हैं। सरकार की योजना इस राशि को धीरे-धीरे बढ़ाकर 3 हजार करने की है। बुधवार को सरकार द्वारा लाए गए मध्य प्रदेश के बजट 2026-27 बजट में इसकी झलक दिखती है। पूरा बजट नारी शक्ति को समर्पित है।

लाड़ली बहना योजना के साथ ही लाड़ली लक्ष्मी योजना सहित महिलाओं के जीवन में आर्थिक सुरक्षा, आत्मनिर्भरता पुख्ता करने का प्रयास बजट में दिखता है। महिलाओं को रोजगार, स्वरोजगार और कौशल उन्नयन कार्यक्रमों से जोड़ने के लिए विभिन्न प्रकार के फंड तय किए गए हैं। बुधवार को मध्य प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के तीसरे दिन मोहन यादव सरकार ने अपने कार्यकाल का तीसरा बजट पेश किया। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा कुल 4,38,317 करोड़ रुपए का बजट पेश किया गया। बजट में जहां लाड़ली लक्ष्मी योजना के लिए 1801 करोड़ का प्रावधान है तो लाड़ली बहना योजना के लिए 23, 800 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

1500 से बढ़कर 2000 इसी साल होने की उम्मीद

जानकारों का कहना है कि लाड़ली बहनों को अचानक 1500 से 3000 मिलना इस सत्र में मुश्किल लगता है। लेकिन ढाई से लेकर 500 रुपये की वृद्धि लाड़ली बहनों के लिए की जा सकती है। ऐसा हुआ तो इस सत्र में महिलाओं को 500 रुपये बढ़कर यानी हर माह 2000 रुपये मिल सकते हैं। विधानसभा चुनाव के पहले ये राशि बढ़कर 3000 की जाएगी, इसमें कोई संशय नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

महापात्र चयन का मंगल अवसर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • 24 तीर्थंकर भगवानों के जिनबिंब पंच कल्याण महामहोत्सव का शुभ अवसर धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि मां अहिल्या की नगरी इंदौर में होगा 15 मार्च, रविवार से 20 मार्च शुक्रवार तक श्री मज्जिनेन्द्र 1008 श्री भगवान नेमीनाथ एवं चौबीस जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव के महापात्र, पात्र एवं इन्द्र इंद्राणी बनने का परम सौभाग्य आपको मिल सकता है। श्रद्धा समर्पण भक्ति प्रवाह में डुबकी लगाने व आत्मज्योति को प्रकट करने का महोत्सव पंच कल्याणक। दद्दू ने बताया कि श्रमण संस्कृति के महामहिम चर्या शिरोमणि पट्टाचार्य परम पूज्य 108 श्री विशुद्धसागरजी महामुनिराज के मंगल आशीर्वाद से विशुद्ध कुल गोरव श्रुत संवेगी श्रमण रत्न परम पूज्य 108 श्री आदित्यसागरजी, अप्रमित सागर जी,सहज सागर महाराज ससंघ की पावन प्रेरणा एवं सानिध्य से जिनबिंब पंचकल्याणक महामहोत्सव सम्पन्न होगा प्रतिष्ठाचार्य - श्री पीयूष जी. भैया जी के निर्देशन में जिनबिंब पंच कल्याणक महामहोत्सव के महापात्र, पात्र एवं इन्द्र इंद्राणी बनने का सौभाग्य प्राप्त करने का शुभ अवसर आपको प्राप्त हो सकता है।

एसबीआई म्यूचुअल फंड की एक निवेशक शिक्षा एवं जागरुकता पहल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड्स आज के बाजार में रिस्क-ऑन (जोखिम लेने की स्थिति) और रिस्क-ऑफ (सुरक्षित निवेश की ओर झुकाव) के बीच घूमते हुए रोटेशन के दौर में एक जरूरी विकल्प और आवश्यकता बन गए हैं। ये फंड एक ही पोर्टफोलियो में इक्विटी, डेट, और कमोडिटी जैसे गोल्ड या सिल्वर को मिलाकर निवेश करते हैं। पहले मल्टी-एसेट एलोकेशन में निवेश करने का ये कॉन्सेप्ट नया था, और कई निवेशक सोचते थे कि वे खुद अलग-अलग इक्विटी, डेट या गोल्ड में छोटी-छोटी रकम लगा सकते हैं। हां, ये संभव था क्योंकि आज कई निवेश विकल्प उपलब्ध हैं, लेकिन अलग-अलग एसेट क्लास को मैनेज करना—व्यावहारिकता, फीस, टैक्स एफिशिएंसी, लागत, और परफॉर्मेंस ट्रैकिंग—व्यावहारिक रूप से मुश्किल साबित होता था।

वीरांगना झलकारी बाई की प्रतिमा स्थापना हेतु मंत्री विजयवर्गीय से की मांग

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • स्वतंत्रता संग्राम की अमर शहीद महान नायिका वीरांगना झलकारी बाई की प्रतिमा इन्दौर में स्थापित करने की मांग के चलते अखिल भारतीय वीरांगना झलकारी महासंघ एवं कोरी/कोली समाज महापंचायत के एक प्रतिनिधि मंडल ने समाज के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री नारायण प्रसाद कबीरपंथी के नेतृत्व में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से भोपाल में मुलाकात कर महापौर द्वारा घोषित वीरांगना झलकारी बाई चौराहा का साइन बोर्ड लगाने एवं प्रतिमा लगाने की मांग की।

हे साहेब, यह ठीक नहीं

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • इन्दौर लावारिस कुत्तों की नश बंदी से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने पिछले महीने राज्य सरकारों के रवैया पर जो कहा उससे यह मामला फिर से गरम हो गया है । इसकी खबर जब सभी श्वानों को मिली तो सभी ने एक बैठक अलग अलग एरिया में इकट्ठे हो कर ली । जिसमें सर्व सहमति से निर्णय लिया गया कि अब हम सभी को समूह में रहना . होगा । क्योंकि समूह में रह कर अपनी शक्ति बना सकते हैं । सुप्रीम कोर्ट ने जो कहा है उससे हमारे सबके लिए राहत की बात है । बैठक में एक श्वान ने कहा कि हम कालोनियों कस्बों में रहते हैं । लोग मुझे जानते हुए ईट पत्थर फेंक कर मारते है । सर्दी में हमे ठंडा पानी डालते हैं और तो और दीपावली पर मेरा बड़ा मजाक किया जाता है । मेरी पूंछ में फटाके बांध कर जलाते हैं ।

सुभाष मार्ग सहित अन्य 13 सड़कों का कब होगा काम शुरू?

नपती पर ही अटकी मास्टर प्लान सड़कों की किस्मत

छावनी क्षेत्र में एक बार फिर निगम ने की नपती

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • शहर की बहुप्रतीक्षित मास्टर प्लान सड़कों का काम छावनी, सुभाष मार्ग और खजराना क्षेत्र में बार-बार नपती तक पहुंचकर रुक जाता है। नगर निगम 23 में से 10 सड़कों पर काम धक कर चुका है, लेकिन जिन मार्गों पर सबसे अधिक जाम और दबाव है, वहीं निर्माण की शुरुआत अब तक नहीं हो सकी। आयुक्त क्षितिज सिंघल की पहल पर छावनी क्षेत्र में दवा बाजार से छावनी चौराहे तक प्रस्तावित 80 फीट चौड़ी सड़क के लिए दूसरी बार नपती कराई गई। सेंटर लाइन और घुमाव को लेकर उठी आपत्तियों के बाद निगम टीम ने दोबारा सीमांकन किया। पहले ही 200 से अधिक छोटे-बड़े अतिक्रमण चिन्हित कर नोटिस जारी किए जा चुके हैं।

निगम का दावा है कि ये सड़कें बनने से छावनी और आसपास के क्षेत्रों में लंबे समय से चली आ रही जाम की समस्या खत्म होगी। पहले चरण में पांच से सात प्रमुख सड़कों पर काम शुरू करने की योजना है, लेकिन छावनी और सुभाष मार्ग का मामला अब भी निर्णय की प्रतीक्षा में है। शहर पूछ

रहा है-क्या मास्टर प्लान की ये सड़कें जमीन पर उतरेंगी या नपती और नोटिसों के बीच ही उलझी रहेंगी? स्थानीय रहवासियों और कुछ जनप्रतिनिधियों ने सड़क की चौड़ाई 80 फीट से घटाकर 60 फीट करने की मांग उठाई है। अधिकारियों ने साफ कर दिया है कि सड़क मास्टर प्लान के अनुसार ही बनेगी। हालांकि, विरोध और राजनीतिक दबाव के कारंवाई को घड़ी बार-बार टल रही है। सूत्रों का कहना है कि पुलिस बल के साथ हटाने की तैयारी पूरी है, लेकिन अंतिम आदेश का इंतजार है। सुभाष मार्ग और खजराना में भी उलझन सुभाष मार्ग पर भी अतिक्रमण हटाने की तैयारी चल रही है, पर जमीन पर प्रगति धीमी है। रिंग रोड से जमजम चौराहा तक प्रस्तावित 60 फीट सड़क पर दो बार निशान लग चुके हैं, फिर भी काम आगे नहीं बढ़ा। जमजम से स्टार चौराहा तक के हिस्से में सेंटर लाइन बदलने से करीब 150 मकान-दुकान प्रभावित होने की आशंका है। रहवासी विरोध में हैं और न्यायालय जाने की तैयारी भी चर्चा है। निगम का कहना है कि अभी औपचारिक नोटिस जारी नहीं किए गए हैं।

छावनी में सड़क चौड़ीकरण का विरोध तेज आंदोलन के लिए बना रहे रणनीति

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • छावनी क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण को लेकर एक बार फिर विरोध तेज हो गया है। व्यापारी और रहवासी मिलकर आंदोलन की रणनीति बना रहे हैं। वहीं, दूसरी ओर व्यापारियों का एक प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मिलने पहुंचा और सड़क की चौड़ाई 60 फीट रखने की मांग की गई। वहीं, दूसरी ओर छावनी के व्यापारियों ने देर रात तक कर आगे की रणनीति पर चर्चा की। व्यापारियों का कहना है कि पहले नगर निगम अधिकारियों, क्षेत्रीय विधायक और जनप्रतिनिधियों के समक्ष सड़क की चौड़ाई कम करने की मांग रखी जाएगी। यदि इसके बाद भी मांग नहीं मानी गई तो आंदोलन किया जाएगा और कोर्ट की शरण ली जाएगी। बैठक छोटे व्यापारियों का खत्म होगा व्यापार- व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष भरत मथुरावाला ने बताया कि रहवासियों और व्यापारियों को विकास से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन अंग्रेजों के जमाने में बसाई गई छावनी छोटे व्यापारियों के रोजगार का प्रमुख केंद्र है। सड़क को यदि 80 फीट चौड़ा किया गया तो कई दुकानें और मकान खत्म हो जाएंगे। छोटे व्यापारियों का व्यवसाय छीन

व्यापारियों की मांग, सड़क 60 फीट ही रहे, सीएम से मिलने भोपाल पहुंचे

जाएगा। मथुरावाला कहा कि हर बार मास्टर प्लान में सड़क की चौड़ाई बढ़ा दी जाती है, जबकि यहां अधिकांश जमीनें विधिवत खरीदी और रजिस्ट्री वाली हैं। वर्ष 1992 के मास्टर प्लान में सड़क की चौड़ाई 60 फीट थी, जिसे बढ़ाकर 2011 के मास्टर प्लान में 80 फीट कर दिया गया।

सीएम तक पहुंचाई मांग-मथुरावाला ने बताया कि व्यापारियों ने अपनी मांग सीएम यादव तक पहुंचा दी है। रहवासी और व्यापारी रणनीति तय करेंगे। फिलहाल आंदोलन को गैर-राजनीतिक रखने का निर्णय लिया गया है। हालांकि कांग्रेस के समर्थन की भी संभावना जताई जा रही है।

निगम ने जारी किए नोटिस - उधर, निगम ने क्षेत्र के रहवासियों को नोटिस जारी कर दिए हैं। इसमें कहा है कि जहां-जहां सड़क चौड़ीकरण के लिए लाल निशान लगाए हैं, वहां से रहवासी बाधक स्वयं हटा लें।

यातायात विशेषज्ञ बोले- ऐसे डिवाइडर से बढ़ेंगे हादसे, काम रोकने की मांग

पहाड़ जैसी डिजाइन वाले डिवाइडर का काम फिर शुरू, बनेंगे हादसे की वजह

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इंदौर का पोलोग्राउंड रेलवे ओवरब्रिज अपनी विशेष डिजाइन के कारण काफी चर्चा में रहा है। इसके बाद शहर में एक और 'मुजस्मा' तैयार किया गया, जिसमें पहले से बने डिवाइडर के ऊपर नया डिवाइडर बनाकर उसे पहाड़ जैसी आकृति दी गई। इस डिजाइन पर सवाल उठने के बाद करीब पांच माह पहले काम रोक दिया गया था, लेकिन अब कुलकर्णी भट्टा वाली सड़क पर फिर से पहाड़नुमा डिवाइडर का निर्माण शुरू कर दिया गया है। यातायात विशेषज्ञों ने नगर निगम से एक बार फिर काम रुकवाने की मांग की है। उनका कहना है कि डिवाइडर की ऊंचाई लगभग 5 फीट हो चुकी है, जो दुर्घटनाओं का कारण बन सकती है।

निगम ने कहा- काम रुकवाया जाएगा- नगर निगम के जनकार्य विभाग के अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर ने बताया कि डिवाइडर के ऊपर डिवाइडर बनाना नियमों के विरुद्ध है। कुछ माह पहले गलत डिजाइन के कारण निर्माण कार्य रुकवाया गया था। अब फिर से काम शुरू होने की जानकारी मिली है, इसे तत्काल रुकवाया जाएगा।

चार दिनों से जारी था निर्माण- परदेशीपुरा चौराहा के पास सुभाष नगर पानी की टंकी के आगे भंडारी ब्रिज वाली सड़क पर पहले 4 फीट ऊंचे डिवाइडर बनाए गए। इसके बाद कुलकर्णी भट्टा से भंडारी ब्रिज तक पहाड़ के आकार वाले डिवाइडरों का निर्माण पिछले चार दिनों से किया जा रहा था। अब यह लगभग तैयार हो चुका है। सूत्रों के अनुसार यह काम जोन स्तर से चुपचाप कराया जा रहा था। हालांकि इस संबंध में अधिकारी खुलकर कुछ कहने से बच रहे हैं। निगम जनकार्य समिति के प्रभारी राजेंद्र राठौर ने कहा कि संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मानक ऊंचाई तीन फीट

स्ट्रक्चरल इंजीनियर अतुल सेठ के अनुसार इंडियन रोड कांग्रेस के नियमों के मुताबिक डिवाइडर की ऊंचाई 3 फीट से अधिक नहीं होनी चाहिए। इससे ज्यादा ऊंचाई होने पर कार सहित अन्य वाहन चालकों को साइड से दृश्य स्पष्ट नहीं दिखता, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि यहां पहले से 3 फीट ऊंचा डिवाइडर बना हुआ था, जिसके ऊपर लगभग 2 फीट और निर्माण कर दिया गया है। नगर निगम को ऐसे अमानक डिवाइडरों को तत्काल हटाना चाहिए।

209 किलो पनीर जब्त, नमूने जांच को भेजे

संस्थाओं से घी, मावा, मिल्क केक, पेड़ा, बेसन लड्डू और दूध के कुल 7 नमूने जांच के लिए लिए

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • होली के मद्देनजर मिलावटखोरी पर शिकंजा कसते हुए कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने शहर में सघन अभियान चलाया। तीन अलग-अलग दलों ने गुरुवार को पांच स्थानों पर औचक निरीक्षण कर कुल 22 खाद्य नमूने लिए और 209 किलोग्राम संदिग्ध पनीर जब्त किया। तेजाजी नगर, खंडवा रोड स्थित नव शक्ति डेरी एंड स्वीट्स पर छापमार कार्रवाई के दौरान पनीर, मावा, घी और विभिन्न मिठाइयों का निर्माण व विक्रय पाया गया। विभाग को मिलावटी पनीर बनाए जाने की सूचना मिली थी। मौके से कसे पनीर, घी, मावा, मिल्क केक,

पेड़ा, बेसन लड्डू और दूध के कुल 7 नमूने जांच के लिए लिए गए। साथ ही लगभग 75 हजार रुपए कीमत का 209 किलो पनीर मिलावट की आशंका में जब्त किया गया।

रानीबाग क्षेत्र में भी जांच: खंडवा रोड स्थित क्वालिटी स्वीट्स से मिल्क केक, पेड़ा, मलाई बर्फी, रतलामी सेव, खट्टा-मीठा मिक्सचर और लौंग सेव के 6 नमूने लिए गए। वहीं अमृत डेरी से दूध और घी के 2 नमूने जांच के लिए एकत्र किए गए। नंदा नगर, पाटनीपुरा मेन रोड स्थित पोरवाल मसाला के निरीक्षण में खाद्य अनुज्ञप्ति नहीं पाई गई। यहां से तुअर, मसूर, चना, उड़द और मूंग दाल के 5 नमूने लिए गए।

रेस्टोरेंट से भी नमूने

सुदामा नगर स्थित मिठास 365 रेस्टोरेंट से मिल्क केक और पनीर के 2 नमूने लिए गए। सभी नमूनों को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि होली तक यह अभियान लगातार जारी रहेगा, ताकि शहरवासियों को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध हो सके।

फाग महोत्सव 28 को, गणेशजी एवं महालक्ष्मी को न्योता

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • श्री अग्रवाल सांस्कृतिक मंच नंदानगर के तत्वावधान में आगामी 28 फरवरी को रंगारंग फाग महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव का पहला न्योता गुरुवार को खजराना गणेश एवं कुलदेवी महालक्ष्मी को संस्था के समन्वयक गणेश गोयल, विजय मित्तल, अजय मित्तल एवं सोनू अग्रवाल के मार्गदर्शन में समर्पित किया गया। इस दौरान निमंत्रण संजय अग्रवाल, अश्विन गोयल, सत्यप्रकाश अग्रवाल काका, अरुण गोयल एवं नागेन्द्र सिंघल सहित कई साथी उपस्थित रहे।

दो युवक घायल, चालक के खिलाफ एमजी रोड पुलिस ने गैर इरादतन हत्या का मामला किया दर्ज

तेज रफ्तार स्कार्पियो कपड़ों के शोरूम में घुसी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • नगर निगम चौराहे के समीप गुरुवार को एक बेकाबू स्कॉर्पियो सीधे कपड़े की दुकान में जा घुसी। इस हादसे में फुटपाथ पर खड़े दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि कई वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं। नशे में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो कार चलाकर कपड़ों के शोरूम में घुसाने और दो युवकों को घायल करने वाले चालक के खिलाफ एमजी रोड पुलिस ने गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है।

नशा कर वाहन चलाने वालों की प्रमुख चौराहों पर जांच होती है, लेकिन इसके बावजूद नशे में चालक दूसरे लोगों की जान ले रहे हैं या घायल कर रहे हैं। चिकमंगलूर चौराहे पर गुरुवार को तेज रफ्तार स्कॉर्पियो एक कपड़े की दुकान में जा घुसी। चालक नशे में था और उसका पैर ब्रेक के बजाय एक्सीलेटर पर चला गया। पुलिस ने चालक का मेडिकल कराने

एमवाय अस्पताल भेजा है, ताकि उसके नशे में होने की पुष्टि हो सके। रामबाग चौराहे की तरफ से तेजी से आ रही स्कॉर्पियो कार श्री साईराम जींस की दुकान में जा घुसी। इस दौरान कार ने सड़क पर खड़े दोपहिया वाहनों को भी नुकसान पहुंचाया। फुटपाथ पर दो युवक खड़े थे, जो कार की चपेट में आने से घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पुलिस पहुंची और चालक को गिरफ्तार किया।

दुकान के आगे के हिस्से से कार को हटाकर उसे थाने ले गए। कार चालक का कहना है कि ब्रेक की जगह गलती से एक्सीलेटर पर पैर पड़ गया, जिससे कार ने तेज रफ्तार पकड़ ली। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि कार तेज रफ्तार में थी और उन्होंने चालक के नशे में होने का आरोप लगाया है। इस हादसे के बाद दुकान में भीड़ लग गई थी। लोगों का कहना था कि नगर निगम चौराहे पर यातायात संकेतक नहीं है, इस कारण अक्सर वहां हादसे होते रहते हैं। पूरी घटना पास की दुकान पर लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, शुक्रवार 20 फरवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप ने किया सेवा कार्य

इंदौर ● मानव सेवा की पावन भावना को साकार करते हुए दिगंबर जैन सोशल ग्रुप, इंदौर नगर द्वारा सेवा कार्य का आयोजन किया गया। कार्यक्रम 'सर्वे भवंतु सुखिन:' की मंगल भावना के साथ सम्पन्न हुआ। सेवा कार्यक्रम एम.वाई. अस्पताल परिसर स्थित कैंसर हॉस्पिटल में आयोजित किया गया, जहां ग्रुप के सदस्यों ने मरीजों के लिए आवश्यक दवाइयों एवं ड्रेसिंग मटेरियल का वितरण किया। मैनाजी आर.के. जैन (रानेका) सहित अन्य सदस्यों ने मरीजों को सामग्री प्रदान की।

क्षत्रिय मराठा ने छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर निकाली वाहन रैली

इंदौर ● छत्रपति शिवाजी महाराज की 396 वीं जयंती पर क्षत्रिय मराठा नवनिर्माण सेना द्वारा आयोजित चार दिवसीय महोत्सव में गुरुवार को लवकुश आवास विहार स्थित साईं मंदिर से विशाल शौर्य यात्रा निकाली जिसमें समाजजन वाहनो पर निकले। पूरा यात्रा मार्ग जय भवानी,जय शिवाजी के जयकारों से गूंज उठा। प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत कुंजीर व मिलिंद दिघे,स्वाति मोहिते, संदीप खरनाल ने बताया कि क्षत्रिय मराठा नवनिर्माण सेना द्वारा आयोजित चार दिवसीय महोत्सव में शिवाजी जयंती पर गुरुवार को साईं मंदिर लवकुश आवास विहार सुखलिया से भव्य शौर्य यात्रा की शुरुआत संत अन्ना महाराज, सुरजीत सिंह वालिया, पार्षद राजू भदौरिया सहित अन्य ने भगवा ध्वज फहराकर की। वाहन रैली में बड़ी संख्या में छत्रपति शिवाजी महाराज के चित्रों से सुसज्जित ध्वजों को हाथ में लेकर वाहनों पर सवार होकर निकले इसमें वाहनों पर मराठा मातृशक्ति जीजाबाई के स्वरूप में मराठा शोर्य का प्रदर्शन करते हुए बुलेट चलाते हुए चली।

माहेश्वरी कुटुम्ब इस बार फूलों की वर्षा के बीच मनाएगा फाग महोत्सव

इंदौर ● संस्था माहेश्वरी कुटुम्ब के तत्वावधान में रविवार 1 मार्च को वृन्दावन की अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त बृज राधा रमण टोली के 24 महिला-पुरुष कलाकार रिंग रोड स्कीम 71 स्थित अक्षत गार्डन पर शाम 6 बजे से रंगारंग सांस्कृतिक संध्या और फाग महोत्सव का अद्भुत और अनुपम आयोजन होगा। इस दौरान आधा दर्जन मिसाइलों से विभिन्न किस्म के सुगन्धित और रंगबिरंगे फूलों की वर्षा से सभी मेहमानों और समाज बंधुओं का आत्मीय स्वागत किया जाएगा।

ट्रैफिक पुलिस रखेगी मुख्य रास्तों, बाजारों पर नजर, विशेष पेट्रोलिंग टीमें बनाई गईं

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर के ट्रैफिक को सुधारने के लिए गुरुवार को चार विशेष पेट्रोलिंग टीम बनाई गई। ये टीमें शहर के व्यस्ततम रास्तों, बाजारों में लगातार निगरानी रखेंगी और तुरंत कार्रवाई भी करेगी। गुरुवार को डीसीपी (प्रभारी ट्रैफिक) राजेश कुमार त्रिपाठी के साथ ही पुलिस के अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में ट्रैफिक पुलिस ने चारों ट्रैफिक जोन के लिए चार विशेष पेट्रोलिंग टीमों का गठन किया। राजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि शहर में लगातार बढ़ रहे ट्रैफिक दबाव और अव्यवस्थित पार्किंग के कारण कई जगहों पर ट्रैफिक बाधित होने की स्थिति उत्पन्न होती है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक जोन में एक-एक टीम तैनात की गई है, जो अपने-अपने इलाके में लगातार भ्रमण कर त्वरित कार्रवाई करेगी।

चारों टीम अपने-अपने यातायात प्रबंधन जोन में मुख्य रास्तों, बाजार क्षेत्रों एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों पर आकस्मिक भ्रमण करेगी। इस दौरान ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों पर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। विशेष रूप से ऐसे क्षेत्र जहां, अक्सर फुटपाथ पर गाड़ियां खड़े कर दिए जाते हैं, मेन रोड पर अवैध पार्किंग की जाती है। दुकानों के बाहर सड़क पर गाड़ियां लगाकर आवागमन बाधित किया जाता है, वहां टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर यातायात को सुचारू करेगी और नियम उल्लंघन करने वाले वाहनों पर व्हील लॉक/क्रेन के माध्यम से चालानी कार्रवाई की जाएगी।

टीम ने पीए सिस्टम के माध्यम से दुकानदारों, रहवासियों और आम जनता से अपील की है कि वे ट्रैफिक नियमों का पालन करें और अपनी गाड़ियां निर्धारित पार्किंग में खड़ी करें, ताकि ट्रैफिक व्यवस्था सुचारू बनी रही। कार्रवाई की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए टीम के सभी लोग बॉडी वॉर्न कैमरे का इस्तेमाल करेंगे, जिससे पूरी कार्र?वाई की वीडियो रिकॉर्डिंग हो सके। साथ ही पूरी कार्रवाई के दौरान उत्कृष्ट व्यावसायिक दक्षता, व्यवहार कुशलता और नियमों का पूरा पालन सुनिश्चित किया जाएगा। टीमों द्वारा किए जा रहे कामों की नियमित समीक्षा वरिष्ठ अधिकारी करेंगे और आवश्यकता अनुसार जरूरी दिशा-निर्देश भी देंगे।

सनातन के नाम पर 'प्रीमियर लीग'! देवकीनंदन ठाकुर को कांग्रेस ने लिखा पत्र

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कांग्रेस नेता विवेक खंडेलवाल एवं गिरीश जोशी ने बताया कि इंदौर में 12 से 14 मार्च तक आयोजित होने जा रही 'सनातन प्रीमियर लीग' के नामकरण को लेकर गंभीर आपत्ति है। जिस क्रिकेट का जन्म इंग्लैंड की धरती पर हुआ और जो औपनिवेशिक शासन की देन के रूप में भारत आया, आज उसी खेल को 'सनातन' का विशेषण देकर प्रस्तुत किया जा रहा है। नेताओं ने कहा कि जिन अंग्रेजों ने भारत को लगभग दो सौ वर्षों तक गुलाम बनाए रखा, जिनके अत्याचारों के विरुद्ध हमारा स्वतंत्रता आंदोलन खड़ा हुआ, जिनकी नीतियों के कारण असंख्य क्रांतिकारी फांसी पर चढ़े, गोलियाँ खाईं और कालापानी की सज़ा भुगती - उसी औपनिवेशिक विरासत के खेल को 'सनातन' कहना स्वतंत्रता संग्राम की भावना पर तंज जैसा प्रतीत होता है।

विवेक खंडेलवाल एवं गिरीश जोशी ने कहा कि 'सनातन' शब्द हमारी प्राचीन आध्यात्मिक परंपरा, वेदों, उपनिषदों, श्रीमद्भगवद्गीता और रामायण की गौरवशाली धरोहर से जुड़ा है। यदि सचमुच सनातन मूल्यों का प्रचार-प्रसार करना है, तो गीता-रामायण पाठ, आध्यात्मिक प्रवचन, सांस्कृतिक संगोष्ठी या राष्ट्रजागरण कार्यक्रम अधिक उपयुक्त मंच हो सकते हैं। दोनों नेताओं ने इस विषय पर देवकीनंदन ठाकुर को भी पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि वे इस आयोजन के नामकरण पर पुनर्विचार कराने हेतु पहल करें। पत्र में कहा गया है कि 'सनातन' शब्द करोड़ों हिंदुओं की आस्था और आध्यात्मिक पहचान से जुड़ा है, अत: इसका उपयोग अत्यंत संवेदनशीलता और गरिमा के साथ होना चाहिए।

बुजुर्ग दंपति को बेघर किया

राजगढ़ ● गांव मवासा जिला राजगढ़ निवासी लक्ष्मी नारायण साहू उम्र 70 वर्ष पत्नी लीलाबाई उम्र 65 वर्ष को गांव के सरपंच ज्योति यादव ने थाने में साठ गांठ कर बुजुर्ग दंपति को बेघर कर दिया। उल्लेखनीय की उक्त बुजुर्ग लोग गांव में पटटे की जमीन पर करीब 40 वर्षों से निवास कर रहे हैं लेकिन यहां के सरपंच अपनी मनमानी पर उतारू होकर कोर्ट का आदेश भी नहीं माना और बुजुर्ग दंपत्ति को बेदखल कर दिया। बुजुर्ग की बड़ी लड़की कमला साहू ने प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से निवेदन किया है कि जहां आप एक और गांव में पक्के मकान बनाकर दे रहे हैं वही मेरे माता-पिता को घर से बेघर कर दिया उचित न्याय की मांग करती हूं।

आकस्मिक वर्षा से प्रभावित किसानों के बीच पहुँचे-सांसद

त्वरित राहत के दिए निर्देश

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● संसदीय क्षेत्र अंतर्गत देपालपुर, राऊ एवं साँवेर विधानसभा के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में हुई आकस्मिक एवं असामयिक वर्षा से किसानों की फसलों को नुकसान हुआ है। इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्रीय दौरा कर प्रभावित ग्रामों में खेतों तक पहुँचकर वास्तविक स्थिति का निरीक्षण किया गया। दौरे के दौरान किसानों ने बताया कि गेहूँ, चना सहित अन्य रबी फसलें कटाई के पूर्व ही वर्षा एवं तेज हवा से प्रभावित हुई हैं, जिससे उत्पादन पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। कई स्थानों पर फसलें जमीन पर गिर गईं जिससे फसलों को भी क्षति पहुँची है।

इस संबंध में इंदौर के जिला कलेक्टर शिवम वर्मा से चर्चा कर संपूर्ण

प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल विशेष सर्वे दल गठित कर नुकसान का वैज्ञानिक एवं पारदर्शी आकलन करने हेतु चर्चा की। सांसद शंकर लालवानी द्वारा विषय को प्राथमिकता से उठाए जाने पर कलेक्टर शिवम वर्मा ने राजस्व एवं कृषि विभाग के अधिकारियों को संयुक्त सर्वे कर शीघ्र प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत पंजीकृत किसानों के दावों के शीघ्र निराकरण हेतु संबंधित बीमा कंपनियों को भी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने पर चर्चा हुई, ताकि किसानों को राहत राशि समयबद्ध रूप से प्राप्त हो सके।

सांसद ने स्पष्ट किया कि प्राकृतिक आपदा से प्रभावित प्रत्येक किसान परिवार को शासन की नियमानुसार अधिकतम सहायता दिलाने के लिए हर स्तर पर प्रयास किए जाएंगे। प्रशासन, जनप्रतिनिधियों एवं बीमा कंपनियों के समन्वय से त्वरित राहत उपलब्ध कराना प्राथमिक लक्ष्य है। प्राकृतिक आपदा की इस कठिन घड़ी में हर प्रभावित परिवार के साथ मजबूती से खड़े रहना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। क्षेत्र के किसानों को आश्वस्त किया गया है कि उनकी मेहनत और अधिकारों की रक्षा हेतु निरंतर प्रयास जारी रहेंगे।

उज्जैन व्यापार मेला में टैक्स छूट की प्रक्रिया अटकी, टैक्स दिए बगैर सड़कों पर दौड़ रहे वाहन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के गृह क्षेत्र उज्जैन में 15 फरवरी से शुरू हुए विक्रमोत्सव व्यापार मेले में वाहन खरीदारों की भारी भीड़ तो उमड़ रही है, लेकिन टैक्स छूट की प्रक्रिया अटकने से डीलर और ग्राहक दोनों परेशान हैं। नेशनल इन्फॉर्मेटिक्स सेंटर (एनआईसी) के पोर्टल अपडेट न होने की वजह से मेले में बिके वाहनों का टैक्स जमा नहीं हो पा रहा। नतीजा, एक हजार से ज्यादा वाहन बिना टैक्स चुकाए ही सड़कों पर दौड़ रहे हैं। डीलरों ने इनके इंश्योरेंस तो करा दिए, लेकिन अब टैक्स जमा न होने से पेनाल्टी का डर सता रहा है। ग्राउंड पर बात करने पर डीलरों ने बताया कि एक-दो दिन में सिस्टम चालू होने की उम्मीद है, लेकिन फिलहाल असमंजस बरकरार है। इंदौर के मारुति डीलर अमन पटेल ने उज्जैन मेले में अपना स्टॉल लगाया है। पटेल ने कहा वाहन अच्छी संख्या में बिक रहे हैं, लेकिन एनआईसी का पोर्टल

अपडेट नहीं है। हमने अधिकारियों से संपर्क किया तो पता चला कि 25 दिसंबर 2025 से 25 फरवरी 2026 तक ग्वालियर में व्यापार मेला चल रहा है। नियमों के मुताबिक, एक राज्य में एक समय दो मेलों के लिए सिस्टम अपडेट नहीं हो सकता। इसी वजह से उज्जैन मेला पोर्टल पर एक्टिव नहीं किया जा रहा। अधिकारी एक-दो दिन में शुरू करने की बात कह रहे हैं।

विदुर नगर में महीनेभर से नर्मदा लाइन में मिल रहा ड्रैनेज का पानी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर का भागीरथपुरा जलकांड अब भी ठंडा नहीं हुआ और विधानसभा से लेकर सड़क तक हंगामा जारी है... वहीं शहर में 90 से भी अधिक स्थानों से गंदे पानी की शिकायतें भी लगातार सामने आईं और अब भी लगातार अलग-लग इलाकों से गंदे पानी की समस्या सामने आ रही... अब विदुर नगर स्थित बचपन प्ले स्कूल वाली गली सहित आसपास के इलाकों में करीब महीनेभर से गंदे पानी की समस्या यहां के रहवासी झेल रहे... रहवासियों का आरोप है कि करीब एक महीने से भी पहले यहां जब नर्मदा की नई लाइन डाली गई उस वक्त लापरवाहीपूर्वक कई घरों के कनेक्शन तोड़ दिए गए... इतना ही नहीं, कॉर्नर पर जॉइंट भी नहीं किया, जिसके चलते वहां से लाइन लीकेज हो रही है और नर्मदा के पानी में ड्रैनेज का गंदा पानी भी मिक्स होकर घरों तक पहुंच रहा।

गेहूं की खड़ी फसल हुई आड़ी

बड़ेगांव क्षेत्र में बारिश से किसानों को हुआ बड़ा नुकसान

निलेश चौहान (94250-77209)

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

किसान अपने खून और पसीने की मेहनत से अनाज की पैदावार करता है किसान को उम्मीद रहती है अपनी फ़सल की पैदावार अच्छे से हो जाए बौनी से लेकर कटाई तक दिन रात खेत पर किसान मेहनत करता है। लेकिन प्राकृतिक की मार सबसे ज्यादा किसानों को ही झेलना पड़ती है इसका ताजा उदाहरण कल देखने को मिला कहीं, किसानों के खेत पर गेहूं की खड़ी फसल थी लेकिन इंद्र देवता ने कहर बरपा दिया खड़े गेहूं बारिश की वजह से आड़े हो गए। सुबह जब किसान अपने खेत पर पहुंचे तो गेहूं आड़े देख किसानों के चेहरे पर मायूसी छा गई, क्योंकि खेती करने वाला किसान अपनी फसल पर ही जिंदा रहता है। साल में दो फसल आती है इसी से किसान अपना घर परिवार चलता है वह फसल भी अगर प्राकृतिक भेंट चढ़ जाती है तो वह कैसे अपना जीवन व्यापन करेगा।

देपालपुर क्षेत्र के ग्रामीण अंचल में कहीं ऐसे गांव हैं जहां किसानों को बारिश के कारण भारी नुकसान हुआ है। किसान अब चिंता में है पानी लगने से गेहूं का कलर भी बदल जाता है,

बाजार में उचित दाम में फसल नहीं बिक पाती है क्योंकि पानी लगा हुआ। गेहूं व्यापारियों की नजर में हल्का रहता है। अगर किसान गेहूं नहीं बेचे तो बाजार में खाद बीज दवाई वालो के हिसाब कैसे करें समय पर हिसाब नहीं हुआ, तो दुकानदार भी ब्याज जोड़ देते हैं। किसान को हर तरफ दोहरी मार पड़ती है फसल खराब हुई तो पैसा ढंग से नहीं आता और समय पर मार्केट में पैसा नहीं गया तो ब्याज लग जाता किसानों के हालात दिन पर दिन बत्तर होते जा रहे हैं। इसी कारण नई पीढ़ी के युवा खेती करने में इंटरेस्ट नहीं ले रहे हैं, क्योंकि नुकसान का सौदा कौन करें कब तक घर से पैसा किस लगाए।

किसान नेता चंदनसिंह बढ़वाया ने कहा कल की बारिश से देपालपुर क्षेत्र और आसपास ग्रामीण इलाकों में बड़ी तादाद में किसानों को नुकसान हुआ है, खड़े गेहूं आड़े हो गए किसान यूनियन सरकार से मांग करती है कि खराब हुई फसल का सर्वे कराकर सरकार बीमा राशि के माध्यम से किसानों को मुआवजा दे।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता

5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

गलगोटिया यूनिवर्सिटी के 'चाइनीज रोबोटिक डॉग' ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर कराई फजीहत

आमतौर पर झूठे दावों की हकीकत किसी न किसी रूप में सामने आ जाती है, लेकिन कई बार उसके नतीजे गंभीर होते हैं। दिल्ली में आयोजित 'एआइ इम्पैक्ट सम्मेलन' में हिस्सा लेने वाले गलगोटिया यूनिवर्सिटी के एक झूठ से न केवल उसकी फजीहत हुई, बल्कि इस आयोजन में बरती जाने वाली कोताही पर भी सवाल उठे। यह बात समझ से बाहर है कि इस संस्थान को चीन के बनाए 'रोबोटिक डाग' को अपना नवाचारी उत्पाद बता कर पेश करने की क्या जरूरत थी?ृ्ढ सम्मेलन में उपस्थित उसके प्रतिनिधि ने क्या सोच कर इस संबंध में अतिरेक से भरे और झूठे दावे किए? अव्वल तो भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर केंद्रित अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजन की गरिमा को ध्यान में रखते हुए इस तरह के फर्जी और अनैतिक दावे करने के बारे में सोचना भी नहीं चाहिए था। दूसरे, ऐसा करते हुए एक बार भी इस बात का ध्यान रखना जरूरी नहीं समझा गया कि जिस तरह की तकनीक के बारे में झूठा दावा किया गया, आज इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में उस झूठ को सामने आने में ज्यादा वक्त नहीं लगता है। आखिर विवाद बढ़ने के बाद संस्थान को माफी मांगनी पड़ी, लेकिन इससे उसकी विश्वसनीयता पर गंभीर असर पड़ा है। इस विवाद को गंभीरता से लेते हुए सरकार ने उचित ही सम्मेलन से वह स्थल खाली करने को कहा गया, जहां इस निजी विश्वविद्यालय ने अपनी प्रदर्शनी लगाई थी। इस बात की पूरी संभावना है कि एआइ सम्मेलन में प्रदर्शित करने के लिए आए तमाम उत्पादों को मंजूरी पहले ही दी गई होगी। सवाल उठता है कि इस सम्मेलन में संस्थानों को जब अपने मौलिक एआइ उपकरणों को प्रस्तुत करने के लिए बुलाया गया होगा, तब गलगोटिया की ओर से लाए गए 'रोबोटिक डाग' और उसके बारे में बढ़-चढ़ किए गए दावों को लेकर आयोजकों की ओर से शुरू में ही जरूरी सवाल क्यों नहीं किए गए? आज जब देश कृत्रिम मेधा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां हासिल करने की जमीन तैयार करने में लगा है, तो ऐसे में इस विवाद ने सम्मेलन में एक असहज स्थिति पैदा की। सवाल केवल किसी संस्थान की साख का नहीं, बल्कि देश की प्रतिष्ठा का है। बदलते दौर में भू-राजनीतिक उथल-पुथल और अनिश्चितताओं के बीच भारत आर्थिक एवं रणनीतिक स्तर पर सहयोग बढ़ाने के लिए विभिन्न देशों के साथ साझेदारी को और व्यापक बनाने की राह पर आगे बढ़ रहा है। ब्रिटेन, यूरोपीय संघ और अमेरिका के साथ व्यापार समझौतों के बाद भारत ने अब फ्रांस के साथ द्विपक्षीय संबंधों को 'विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी' में बदल दिया है।

संवेदनशील प्रशासन और संयमित छात्र: संतुलन ही समाधान

कभी-कभी बस एक छोटा-सा क्षण पूरी व्यवस्था की आत्मा को बेनकाब कर देता है। घड़ी ने दस मिनट का फासला तय किया—और एक बच्ची परीक्षा कक्ष के बाहर रह गई। वही दस मिनट उसके जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी बन गए। नियम अपनी जगह अडिग खड़े रहे, पर जीवन चुपचाप फिसल गया। दूसरी ओर, एक परीक्षा केंद्र पर प्रश्नपत्र कम पड़े तो उसी तंत्र ने नियमों को मोड़कर दो पालियों में परीक्षा करा दी। यही विरोधाभास हमारे समय की नंगी सच्चाई है—जहाँ सुविधा हो वहाँ नियम लचीले, और जहाँ करुणा चाहिए वहाँ वे पत्थर बनकर गिरते हैं।

दूसरी पालियों में समाधान, पहली में जीवन की हार | परीक्षा से बड़ी है जिंदगी, अंक केवल संकेत हैं, मूल्य नहीं

दस मिनट की देरी पर दरवाज़ा बंद कर देना नियम की कठोरता नहीं, संवेदना की विफलता है। परीक्षा का उद्देश्य प्रतिभा की जाँच है, न कि घड़ी की सुइयों की पूजा। यदि चाहा जाता तो कोई व्यावहारिक रास्ता निकाला जा सकता था—जैसा अन्य परिस्थितियों में निकाला भी गया। पर यहाँ नियमों की दीवार ऊँची कर दी गई और मानवीय विवेक को बाहर छोड़ दिया गया। परिणाम केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं रहा, वह एक असहनीय त्रासदी में बदल गया। प्रश्न नियमों के अस्तित्व का नहीं, उनमें जीवित मनुष्यता की उपस्थिति का है। क्या व्यवस्था इतनी यांत्रिक हो चुकी है कि उसे परिस्थितियों की धड़कन सुनाई ही नहीं देती?

इसी क्रम में दूसरी घटना ने तंत्र का दूसरा चेहरा भी दिखाया। जब प्रश्नपत्र कम पड़ गए और व्यवस्था की अपनी भूल उजागर हुई, तो तुरंत समाधान तलाश लिया गया। दो पालियाँ बनीं, प्रतियाँ तैयार हुईं, समय-सारिणी बदली—और परीक्षा पूरी करा दी गई। यहाँ नियमों को मोड़ना संभव था, क्योंकि आवश्यकता थी। यही विरोधाभास सबसे चुभता है—जहाँ सिस्टम की असुविधा हो, वहाँ लचीलापन; जहाँ छात्र की मजबूरी हो, वहाँ कठोरता क्यों क्या नियम केवल नीचे की ओर सख्त और ऊपर की ओर नरम होते हैं? क्या करुणा का पैमाना भी पद और अधिकार देखकर बदल जाता है?

पर इस पूरी पीड़ा का एक और पक्ष भी है, जिसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। कोई भी परीक्षा जीवन से बड़ी नहीं होती। अंक केवल भविष्य की दिशा तय करते हैं, अस्तित्व की कीमत नहीं। देर हो जाए तो अगला अवसर मिलता है, अगला प्रयास संभव है, अगला वर्ष भी आता है। पर यदि जीवन का पन्ना ही फाड़ दिया जाए, तो उसे कोई परिणाम फिर नहीं जोड़ सकता। क्षणिक आवेग में उठाया गया चरम कदम समस्या का समाधान नहीं, परिवार के लिए आजीवन घाव बन जाता है। हमें यह समझना और समझाना होगा कि असफलता अंत नहीं, अनुभव है; ठोकर हार नहीं, आगे बढ़ने की तैयारी है।

हमारे समाज ने परीक्षा को उपलब्धि से आगे बढ़ाकर प्रतिष्ठा और पहचान का पैमाना बना दिया है। अंक अब केवल परिणाम नहीं रहे, वे मानो सम्मान का प्रमाणपत्र बन गए हैं। माता-पिता की आकांक्षाएँ, रिश्तेदारों की तुलना और सोशल मीडिया की चकाचौंध-ये सब मिलकर एक कोमल मन पर ऐसा दबाव रचते हैं, जो दिखाई नहीं देता पर भीतर गहराई तक चुभता है। ऐसे माहौल में दस मिनट की देरी महज़ समय का अंतर नहीं रह जाती; वह मानो सपनों के ढह जाने का प्रतीक बन जाती है। यहीं परिवार और विद्यालय की असली भूमिका शुरू होती है। बच्चों को सिखाना होगा कि जीवन की कीमत किसी परिणाम से कहीं अधिक है। परीक्षा एक अवसर है, अस्तित्व का अंतिम सत्य नहीं।

प्रशासन की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। नियम अनुशासन बनाए रखने के लिए होते हैं, पर उनका उद्देश्य मनुष्यों की रक्षा करना है, उन्हें तोड़ना नहीं। यदि कोई नियम ऐसी स्थिति पैदा करे जहाँ जीवन ही संकट में पड़ जाए, तो उसके स्वरूप पर पुनर्विचार अनिवार्य हो जाता है। हर परीक्षा केंद्र पर मानवीय विवेक की एक खिड़की खुली रहनी चाहिए—ऐसी व्यवस्था, जहाँ आपात स्थिति में समाधान खोजा जा सके। जब तकनीकी त्रुटियों पर तत्काल विकल्प संभव हैं, तो कुछ मिनट की देरी पर संवेदना असंभव क्यों प्रतीत होती है? प्रशासनिक दक्षता के साथ संवेदनशीलता भी अनिवार्य प्रशिक्षण का हिस्सा बननी चाहिए।

छात्रों के लिए यह घटना एक चेतावनी भी है और एक सीख भी। समयपालन कोई औपचारिक नियम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व की रीढ़ है; अनुशासन ही वह आधार है जिस पर सफलता की इमारत खड़ी होती है। परीक्षा के दिन तैयारी केवल पाठ्यक्रम की नहीं, परिस्थिति की भी होनी चाहिए—समय से पहुँचना, विकल्प सोचकर चलना, जोखिम से बचना। किंतु यदि कभी चूक हो जाए, तो उसे जीवन की हार का नाम न दें। सच्चा साहस गिरकर फिर खड़े होने में है, न कि एक ठोकर को अंतिम सत्य मान लेने में। असफलता से जूझना परिपक्वता है; क्षणिक आवेग में स्वयं को ही दंडित कर देना नहीं। जीवन एक लंबी दौड़ है—एक मोड़ फिसलन भरा हो सकता है, पर वह पूरी मंज़िल को निगल नहीं सकता।

यह घटना हमें एक कठोर सत्य से रूबरू कराती है—संतुलन ही व्यवस्था और जीवन, दोनों की सबसे बड़ी आवश्यकता है। नियम हों, पर उनमें मानवता की धड़कन भी हो; अनुशासन हो, पर उसके साथ समझ और संवेदना भी। उतना ही जरूरी है कि विद्यार्थी भी क्षणिक आघात को अंतिम फैसला न बनने दें। समाधान किसी एक पक्ष की कठोरता में नहीं, दोनों के सामंजस्य में छिपा है। जब प्रशासन विवेकशील हो और युवा संयमित, तभी त्रासदियों के रास्ते बंद होते हैं। यदि व्यवस्था पत्थर न बने और छात्र आवेग के बजाय साहस चुनें, तो अनेक घरों की रोशनी बच सकती है। परीक्षा कक्ष का दरवाज़ा समय पर बंद हो सकता है, पर जीवन का द्वार कभी बंद नहीं होना चाहिए—और उसे खुला रखना ही समाज, सिस्टम और छात्र, हम सबकी साझा जिम्मेदारी है।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत',
बड़वानी (मप्र)

आंचलिक

कंपनी के 5 चौकीदार गिरफ्तार, 12.50 लाख की 37 बैटरी और कार जब्त

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन • जिले के भीलगांव स्थित 'आत्मनिर्भर ऊर्जा प्राइवेट लिमिटेड' कंपनी के गोदाम से 37 बैटरी चोरी होने के मामले में पुलिस ने पांच चौकीदारों (सिक्योरिटी गार्ड्स) को गिरफ्तार किया है। यह चोरी 6 से 7 फरवरी के बीच हुई थी। पुलिस ने आरोपियों के पास से 6.50 लाख रुपए कीमत की 37 बैटरियां और वारदात में इस्तेमाल की गई 6 लाख रुपए की इको कार सहित कुल 12.50 लाख रुपए का माल जब्त कर लिया है। फिलहाल पुलिस गिरफ्तार किए गए सभी पांचों आरोपियों से चोरी की अन्य घटनाओं के संबंध में भी पूछताछ कर रही है। कंपनी के प्लांट हेड अजय ने पुलिस को बताया कि 7 फरवरी को सुबह 11 बजे सिक्योरिटी गार्ड रूतेश ने उन्हें फोन पर चोरी की सूचना दी थी। उस समय अजय अहमदाबाद में थे। रूतेश ने बताया था कि चोरी 6 फरवरी की रात 10 बजे से 7 फरवरी की सुबह 5 बजे के बीच हुई थी। 8 फरवरी को जब गोदाम में स्टॉक की जांच की गई, तो कुल 304 बैटरियों में से 37 बैटरियां कम पाई गईं। इसके बाद कंपनी प्रबंधन ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

कसरावद पुलिस ने मामला दर्ज कर संदिग्धों की पहचान शुरू की। जांच के दौरान रात में ड्यूटी पर तैनात सिक्योरिटी गार्ड करण पिता दुलेसिंह बघेल (निवासी तलावड़ी) और रूतेश पिता श्रीराम निंगवाल (निवासी बेकल्या) पर पुलिस का संदेह गहराया। 8 फरवरी की रात को ये दोनों सिक्योरिटी गार्ड बिना किसी को बताए कंपनी से भाग गए, जिससे पुलिस का शक और पुख्ता हो गया।पुलिस ने रूतेश और करण को कुक्षी से हिरासत में लिया और उनसे सख्ती से पूछताछ की। पूछताछ के दौरान दोनों ने अपने साथी उमेश पिता गुमानसिंह चौहान (निवासी उमराली), बादल पिता मुलेसिंह बघेल (निवासी बलवानी) और रोहित उर्फ रवि पिता इंदरसिंह मोरी (निवासी मोरीपुरा सुसार) के साथ मिलकर इस पूरी वारदात को अंजाम देना स्वीकार कर लिया।

रमजान का पहला रोजा आज, मुस्लिम समाज ने चांद दिखने के बाद तरावीह की नमाज अदा की

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर • बुधवार शाम चांद दिखने के बाद पवित्र रमजान माह की शुरुआत हो गई। दाऊदी बोहरा समाज के रमजान मंगलवार से शुरू हुए जबकि मुस्लिम समुदाय का गुरुवार को पहला रोजा है। रात में ईशा की नमाज के बाद मस्जिदों में तरावीह की विशेष नमाज अदा की गई। दाऊदी बोहरा समाज के धर्मगुरु डॉ. सेय्यदना मुफद्दल सैफुद्दीन साहब के मार्गदर्शन में पूरे विश्व के साथ बुरहानपुर में भी रमजान का आगाज हुआ। दाऊदी बोहरा जमात पीआरओ कमेटी के को-ऑर्डिनेटर तफज्जुल हुसैन मुलायमवाला ने बताया कि शहर की मस्जिदों में रमजान की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

शहर आमिल हैदर जमाली और नायब शहर आमिल शेख युसूफ की अध्यक्षता में बोहरा समाज की 16 मस्जिदों सहित मोहम्मदी मरकज दरगाह-ए-हकीमी में इमाम की इक्तदा में पूरे महीने इबादत की जाएगी। शहर आमिल शेख हैदर जमाली ने बताया कि रमजान माह विशेष इबादत के साथ-साथ गरीबों और जरूरतमंदों की मदद करने का भी संदेश देता है।

रमजान माह के दौरान दाऊदी बोहरा नजमी मस्जिद में शहर आमिल शेख हैदर जमाली और नायब शहर आमिल शेख युसूफ जमाली इमामत करेंगे। वहीं, ताहिरी मस्जिद चौक और मोहम्मदी मरकज दरगाह-ए-हकीमी स्थित मस्जिद में डॉ. मुस्तफा साहब की इमामत में नमाज और तिलावत की जाएगी। मुस्लिम समाज के लोग भी एक माह तक प्रतिदिन रोजे रखेंगे और ईशा की नमाज के बाद तरावीह की नमाज अदा करेंगे।

शिवाजी महाराज की 12 फीट ऊंची प्रतिमा लगाई, धूमधाम से निकली शौर्य यात्रा

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • गुरुवार को छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस मौके पर शहर में भव्य चल समारोह निकाला गया और टपालचाल चौराहे पर शिवाजी महाराज की 12 फीट ऊंची अश्वारूढ़ प्रतिमा स्थापित की गई। करीब 9 टन वजनी यह प्रतिमा जयपुर से बनकर आई है। आयोजन में हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए और पूरा शहर 'जय शिवाजी-जय भवानी' के नारों से गूंज उठा।

जुलूस की शुरुआत इंदौर रोड स्थित बालाजी धाम कॉलोनी से हुई। बालाजी ग्रुप के संस्थापक रितेश गोयल और उनकी टीम ने शोभायात्रा का स्वागत किया। जुलूस में सुसज्जित रथ, घोड़े, डीजे, बैंड-बाजे और ढोल शामिल थे। घोड़े पर सवार शिवाजी महाराज और महारानी लक्ष्मी बाई की झांकी आकर्षण का केंद्र रही। शोभायात्रा इंदौर नाका, पदमनगर, पड़ावा चौक, घंटाघर, टाउन हॉल और बांबे बाजार होते हुए टपालचाल पहुंची।

प्रतिमा स्थापना समिति के अध्यक्ष मनोज सावले और सुनील बावले ने बताया कि खंडवा में यह शिवाजी की पहली विशाल प्रतिमा है। युवाओं ने पिछले चार साल तक मेहनत की और समाजजन से 100-100 रुपए का सहयोग लेकर इस अभियान को सफल बनाया। जयपुर से विशेष रूप से तैयार

करवाई गई यह प्रतिमा करीब 9 टन वजनी है।

टपालचाल पर धर्मसभा और महाआरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। समिति ने बताया कि प्रतिमा की स्थापना कर दी गई है, लेकिन इसका विधिवत अनावरण आने वाले समय में शिवाजी महाराज के वंशजों के हाथों कराया जाएगा। वक्ताओं ने शिवाजी महाराज की युद्धनीति और स्वराज्य स्थापना के संघर्ष को याद किया।

स्पीड ब्रेकर की मांग, रहवासियों, दुकानदारों ने तख्तियां लेकर किया विरोध प्रदर्शन

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर • इंदौर-इच्छापुर हाईवे पर राजपुरा गेट के पास गुरुवार को रहवासियों और दुकानदारों ने स्पीड ब्रेकर बनाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। हाथों में तख्तियां लेकर लोग सड़क पर उतरे और प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। लोगों का कहना है कि यहां तेज रफ्तार वाहनों के कारण आए दिन हादसे होते रहते हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि यह बेहद व्यस्त हाईवे है, जहां से रोजाना हजारों वाहन तेज गति से गुजरते हैं। स्पीड ब्रेकर नहीं होने से क्षेत्र के लोगों में हमेशा

दुर्घटना का डर बना रहता है। सड़क पार करने में बुजुर्गों, महिलाओं और विशेषकर स्कूल जाने वाले बच्चों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। क्षेत्रीय रहवासी जितेंद्र महाजन ने बताया, 'शनवारा से शिकारपुरा गेट तक हाईवे पर डिवाइडर तो बना दिए गए हैं, लेकिन स्पीड ब्रेकर नहीं हैं। इस कारण वाहन चालक अपनी गति कम नहीं करते। लोगों को सड़क पार करने और वाहन मोड़ने (यू-टर्न लेने) में जान का जोखिम बना रहता है।'

महाजन ने बताया कि इस समस्या को लेकर पहले भी कई बार जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई। इसी अनदेखी के चलते रहवासियों और दुकानदारों को हाथों में 'यहां स्पीड ब्रेकर बनाओ' की तख्तियां लेकर विरोध प्रदर्शन करना पड़ा।

एनएचडीसी के बाबू ने किसान से मांगी रिश्वत, बातचीत का ऑडियो आया सामने

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • जिले की हरसूद तहसील के ग्राम गंभीर उबारी के एक किसान ने एनएचडीसी विभाग के एक कर्मचारी पर 50 हजार रुपये रिश्वत मांगने का आरोप लगाया है। किसान ने इस मामले की शिकायत कलेक्टर और एसपी से की है।

शिकायतकर्ता अरुण शर्मा ने बताया कि उनके पिता प्रहलाद शर्मा (57 वर्ष) की जमीन खसरा नंबर 556/1, रकबा 1.20 हेक्टेयर (करीब 2.97 एकड़) ग्राम गंभीर उबारी में स्थित है। इस जमीन का अधिग्रहण इंदिरा सागर परियोजना की एफआरएल योजना के तहत किया गया था। यह प्रक्रिया एनएचडीसी आर एंड आर खंडवा द्वारा भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 013/82 वर्ष 2011-12 में पूरी की गई थी।

कोर्ट के आदेश से बढ़ी मुआवजा राशि

अधिवक्ता प्राणेंद्र रांका के अनुसार, तय मुआवजा राशि से असंतुष्ट होकर किसान ने अदालत में रिफरेंस याचिका दायर की थी। इस पर प्रथम जिला न्यायालय हरसूद ने एमजेसी प्रकरण क्रमांक 48/2024 में 15 सितंबर 2025 को आदेश जारी किया। अदालत ने किसान के पक्ष में फैसला देते हुए मुआवजा राशि बढ़ाने के निर्देश दिए।

फोन पर मांगे 50 हजार रुपए

शिकायत में बताया गया है कि 17 फरवरी 2026 की शाम करीब 7:15 बजे शिकायतकर्ता के मोबाइल नंबर पर एक कॉल आया। कॉल करने वाले ने स्वयं को एनएचडीसी (नेशनल हैण्डलूम डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड) कर्मचारी महेश कनाड़े उर्फ मुरली बताया और न्यायालय से बढ़ी हुई मुआवजा राशि का भुगतान कराने के एवज में 50 हजार रुपए की मांग की। पूरी बातचीत उसके मोबाइल में रिकॉर्ड है, जिसे साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत किया गया है। किसान ने आरोप लगाया है कि संबंधित कर्मचारी द्वारा पहले भी फोन कर 50 हजार रुपए की मांग की गई थी। साथ ही यह भी कथित रूप से कहा गया कि यदि राशि नहीं दी गई तो आदेश के खिलाफ अपील कर दी जाएगी और 5-6 सालों तक मुआवजा नहीं मिल पाएगा।

आज ओमान से सम्मान बचाने की आखिरी लड़ाई लड़ेगा ऑस्ट्रेलिया

पल्लेकेले (एजेंसी) ● ऑस्ट्रेलिया और ओमान टी20 वर्ल्ड कप के 40वें मैच में पल्लेकेले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भिड़ेंगे। यह एक ऐसा मुकाबला है, जिसमें रोमांच की उम्मीद है, भले ही दोनों टीमें टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं। ऑस्ट्रेलिया अपने वर्ल्ड कप कैंपेन को शानदार तरीके से खत्म करना चाहता है और ओमान लगभग नामुमकिन उलटफेर की कोशिश में है, ऐसे में दबदबा गर्व, वापसी और अपनी बड़ाई करने का है। ऑस्ट्रेलिया इस मैच में निराशा से निकलने और पक्के इरादे के साथ उतरेगा। आयरलैंड के खिलाफ अच्छी शुरुआत के बाद, जिम्बाब्वे और श्रीलंका से लगातार हार ने टूर्नामेंट में उनकी उम्मीदें खत्म कर दीं।

हार्दिक पांड्या टी-20 क्रिकेट में 6000 रन और 200 विकेट लेने वाले पहले भारतीय

अहमदाबाद (एजेंसी) ● भारतीय टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने इतिहास रच दिया। हार्दिक ने नीदरलैंड के खिलाफ मैच के दौरान 30 रन की पारी खेली और बड़ा मुकाम अपने नाम कर लिया।

इस 30 रनों की पारी के साथ हार्दिक पांड्या टी-20 क्रिकेट में 6000 रन बनाने वाले और 200 विकेट लेने वाले भारत के पहले ऑलराउंडर बन गए हैं। नीदरलैंड के खिलाफ हार्दिक ने 30 रनों की पारी खेली और तीन ओवर में 40 रन देकर एक विकेट हासिल किया।

फिल्म 'वाराणसी' को लेकर प्रियंका चोपड़ा क्रेजी

मुंबई (एजेंसी) ● एसएस राजामौली भारतीय सिनेमा के सबसे दूरदर्शी और प्रभावशाली फिल्ममेकर्स में से एक हैं, जिन्हें स्क्रीन पर बड़े पैमाने की फिल्में बनाने और ब्लॉकबस्टर देने के लिए जाना जाता है। यह मास्टर स्टोरीटेलर अब अपनी अगली बड़ी एक्शन-एडवेंचर फिल्म, 'वाराणसी' की तैयारी कर रहे हैं, जिसमें महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा जोनास और पृथ्वीराज सुकुमारन नजर आएंगे। इस कास्ट की वजह से यह देश के सबसे प्रतीक्षित प्रोजेक्ट्स में से एक बन गया है। 'वाराणसी' को लेकर उत्साह बढ़ता जा रहा है, खासकर तब जब हाल ही में प्रियंका चोपड़ा जोनास ने डायरेक्टर एसएस राजामौली के साथ काम करने पर बात की और इस फिल्म को अपने लिए 'करियर डिफाइनिंग' यानी करियर को नई दिशा देने वाली फिल्म बताया। एक ताज़ा इंटरव्यू में प्रियंका ने फिल्ममेकर की जमकर तारीफ की। प्रोजेक्ट और राजामौली के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'फिल्ममेकर का नाम एस. एस. राजामौली सर है और वह भारत के बेहतरीन निर्देशकों में से एक हैं। मुझे लगता है कि उनकी यह फिल्म मेरे लिए करियर-डिफाइनिंग होने वाली है और मैं इसे लेकर बहुत उत्साहित हूं।'

कला सिर्फ मनोरंजन का माध्यम नहीं : श्वेता त्रिपाठी

मुंबई (एजेंसी) ● कला सिर्फ मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का सशक्त जरिया भी है। यह कहना है अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी का। इसी सोच के साथ उन्होंने हाल ही में अपनी पहली क्वीर फिल्म मुझे जान ना कहो मेरी जान को प्रोड्यूस करने की घोषणा की है। अभिनेत्री तिलोत्तमा शोम और यह एक संवेदनशील क्वीर प्रेम कहानी है, जिसके इस साल फ्लोर पर आने की उम्मीद है। फिल्म में श्वेता स्वयं भी अभिनय कर रही हैं। प्रोडक्शन की दुनिया में यह श्वेता का पहला प्रयास नहीं है। इससे पहले वे क्वीर विषय पर आधारित थिएटर प्ले कॉक को भी प्रोड्यूस कर चुकी हैं, जो ब्रिटिश लेखक माइक बार्टलेट के ओलिवर अवॉर्ड जीत चुके ड्रामा पर आधारित है। यह नाटक देश के कई शहरों में प्रदर्शित हुआ था और दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली थी। श्वेता कहती हैं कि यह उनके लिए सिर्फ एक पेशेवर निर्णय नहीं, बल्कि निजी स्तर पर भी जुड़ा हुआ कदम है।

हरमनप्रीत सबसे अधिक अंतराष्ट्रीय मैच खेलने वाली महिला क्रिकेटर बनीं

कैनबरा (एजेंसी) ● कप्तान हरमनप्रीत कौर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां दूसरे टी20 क्रिकेट मैच के लिए मैदान में उतरते ही एक रिकार्ड बना दिया है। अब हरमनप्रीत महिला क्रिकेट इतिहास में सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। हरमनप्रीत ने यहां मैदान पर उतरने के साथ ही अपना 356 वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेला और वह न्यूजीलैंड की दिग्गज खिलाड़ी सूजी बेट्स से आगे निकल गयी हैं।। बेट्स ने 355 मैच खेले हैं। वहीं सबसे अधिक मैच खेलने के मामले में तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया की एलिसे पेरी हैं। पेरी के नाम पर 349 मैच हैं। वहीं भारतीय टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने 333 मैच खेले हैं, जबकि शार्लोट एडवर्ड्स ने इंग्लैंड के लिए 309 मैच खेले हैं। महिला क्रिकेट में सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली खिलाड़ियों में न्यूजीलैंड सोफी डिवाइन के नाम 305, इंग्लैंड की हीथर नाइट के नाम 303 और डैनी व्याट-हॉज के नाम 302 मैच हैं। हरमनप्रीत ने अपने क्रिकेट करियर में अब तक छह टेस्ट, 161 एकदिवसीय और 189 टी20 मैच खेले हैं। छह टेस्ट मैचों में उनके नाम 200 रन जबकि एकदिवसीय में 4,409 और टी20 मैचों में 3,784 रन हैं। हरमनप्रीत ने सबसे अधिक अंतराष्ट्रीय मैच खेलने वाली खिलाड़ी बनने पर खुशी जताते हुए कहा कि उनका लक्ष्य के लिए आगे भी अच्छा प्रदर्शन करना रहेगा।

उज्जैन संभाग

अस्पताल पर 50 हजार का जुर्माना, बायोमेडिकल वेस्ट कचरे को मिक्स रखने पर नगर निगम ने की कार्रवाई

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● देवास रोड स्थित हॉस्पिटल में बायोमेडिकल वेस्ट को सामान्य कचरे के साथ मिलाकर देने का मामला सामने आया है। इस पर नगर निगम ने अस्पताल प्रबंधन पर 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान 2025 की नई टूलकिट के तहत होटल, व्यावसायिक प्रतिष्ठान और अस्पतालों को अपने यहां से निकलने वाले कचरे का सही तरीके से निष्पादन करना अनिवार्य है। साथ ही अस्पतालों को बायोमेडिकल वेस्ट को अलग से सुरक्षित रखना होता है। इसी क्रम में गुरुवार को देवास रोड स्थित बालाजी हॉस्पिटल का निरीक्षण नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग की टीम ने किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि बायोमेडिकल वेस्ट को अलग रखने के बजाय सामान्य कचरे में मिलाकर दिया जा रहा था। इसके बाद नगर निगम ने अस्पताल प्रबंधन पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाने की कार्रवाई की।

देर रात बारिश, बढ़ी ठंडक, मौसम में आया बदलाव; गर्म कपड़े पहने नजर आए लोग

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● पिछले चार दिनों से मौसम में बदलाव देखा गया। देर रात हुई हल्की बारिश के कारण तापमान में गिरावट आई और सुबह ठंडक बढ़ गई। शहर की सड़कें भीगी हुई नजर आईं, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ। 16 से 19 फरवरी के बीच उज्जैन के मौसम में लगातार उतार-चढ़ाव दर्ज किया गया। इस दौरान तापमान, आर्द्रता और हवा की रफ्तार में परिवर्तन के साथ देर रात बारिश ने मौसम को सुहावना बना दिया।

मौसम में बना रहा उतार चढ़ाव

16 फरवरी को न्यूनतम तापमान 17.7 डिग्री सेल्सियस रहा। सुबह आर्द्रता 68 प्रतिशत और हवा की रफ्तार लगभग 6 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई। अगले दिन, 17 फरवरी को न्यूनतम तापमान 16.2 डिग्री और अधिकतम 31.4 डिग्री सेल्सियस रहा। इस दिन करीब 2.0 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई, जिससे देर रात हल्की ठंडक महसूस हुई। 18 फरवरी को न्यूनतम तापमान 17.7 डिग्री और अधिकतम 31.0 डिग्री सेल्सियस रहा। दिनभर बादलों की आवाजाही बनी रही, हालांकि बारिश नहीं हुई। 19 फरवरी को न्यूनतम तापमान 15.0 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया, जो इस अवधि का सबसे कम तापमान था। इस दिन सुबह आर्द्रता 87 प्रतिशत तक पहुंच गई और लगभग 2.0 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। हवा की रफ्तार 12 किलोमीटर प्रति घंटा रही, जिससे सुबह हल्की ठंडक महसूस हुई।

फिर गर्म कपड़ों में नजर आए लोग

देर रात की बारिश के बाद शहर की सड़कों पर नमी स्पष्ट दिखाई दी। परीक्षाओं के चलते छात्र समय पर परीक्षा केंद्रों पर पहुंचते रहे। वहीं, बदलते मौसम के कारण लोगों ने सुबह-शाम गर्म कपड़े पहनकर ठंड से बचाव किया। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, अगले एक-दो दिनों तक आंशिक बादल छाए रहने और हल्की ठंडी हवाओं का असर बने रहने की संभावना है।

बारिश की आशंका पर कृषि मंडी बंद, मंडी सचिव ने जल्दबाजी में लिया फैसला

दैनिक इंदौर संकेत

आगर - मालवा ● जिले में कल यानी शुक्रवार को संभावित बारिश के मद्देनजर कृषि उपज मंडी को बंद रखने का आदेश जारी किया गया, जो शहर में चर्चा का विषय बन गया है। यह निर्णय मंडी व्यापारी एसोसिएशन के बुधवार को दिए गए पत्र के आधार पर लिया गया। व्यापारियों ने तर्क दिया था कि बुधवार को उपज की अधिक आवक हुई थी और गुरुवार को भी बड़ी मात्रा में उपज आने की संभावना थी। ऐसे में कल बारिश होने पर किसानों की फसल खराब होने का अंदेशा था। व्यापारी संघ के आवेदन पर मंडी सचिव ने तत्काल प्रभाव से 20 फरवरी को मंडी बंद रखने का आदेश जारी कर दिया। इस आदेश के सार्वजनिक होते ही यह एक असामान्य निर्णय के रूप में चर्चा का केंद्र बन गया, क्योंकि आमतौर पर खराब मौसम में भी मंडियां किसानों की सुविधा के लिए खुली रहती हैं। इस मामले पर मंडी सचिव ने स्पष्ट किया कि उन्हें कार्यभार संभाले कुछ ही दिन हुए हैं और मंडी की परिस्थितियों की पूरी जानकारी नहीं थी। इसी कारण जल्दबाजी में यह निर्णय ले लिया गया। उन्होंने व्यापारी संघ को भविष्य में ऐसे पत्रों की पुनरावृत्ति न करने की सख्त चेतावनी भी दी है। वहीं, व्यापारी संघ के अध्यक्ष सतीश मित्तल ने अपने पक्ष में कहा कि उनका उद्देश्य किसानों को नुकसान से बचाना था।

ओलावृष्टि से फसल खराब, घट्टिया-महिदपुर और उन्हेल में सबसे ज्यादा नुकसान

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● बीती रात मौसम ने करवट ली और देर रात को तेज बारिश शुरू हो गई। कई जगह तेज हवा के साथ ओले भी गिरे। जिससे कई गांव में फसल को नुकसान पहुंचा है। जिले के घट्टिया, महिदपुर, उन्हेल सहित कई इलाकों में करीब एक घंटे तक बारिश हुई। सुबह जब किसान खेत पर पहुंचे तो उन्हें फसल आड़ी मिली। बुधवार शाम तेज ठंडी हवाओं के साथ शहर और आसपास के इलाकों में मौसम अचानक पलट गया। गुरुवार सुबह लोग नींद से जागे तो शहर में बारिश होने से सुबह सड़कें गीली नजर आईं। वहीं घटि्टया तहसील में ओले भी गिरे, जिससे फसलें खराब हो गईं। बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से ग्राम पानखेड़ी तहसील उन्हेल, पिपलौदा पंथ, लेकोडा आंजना, आवला, भूतिया, चौसला, कलेसर, झीतर खेड़ी, दौलतपुर जैसे कई गांव में बारिश और ओलावृष्टि हुई, जिससे किसानों की खड़ी फसल को नुकसान हुआ है। मोहनलाल मालवीय सहित कई किसानों ने बताया कि कई किसानों की आधी फसल बर्बाद हो गई है।

उप संचालक कृषि ने किसानों से कहा कि जिनकी भी फसल अतिवृष्टि एवं ओलावृष्टि से प्रभावित हुई हैं। वे फसल नुकसान की जानकारी प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत इफको टोकियो फसल बीमा कंपनी के टोल फ्री नंबर 14447 पर 72 घंटे के अंदर दें। शिकायत दर्ज करते समय कृषक अपने साथ किसान की फसल बीमा पॉलिसी नंबर, किसान का आधार कार्ड, किसान का सर्वे नंबर, किसान का केसीसी से फसल नुकसान की शिकायत दर्ज करवाएं।

साइबर ठगी की रकम ठिकाने लगाने वाला गिरफ्तार, गरीबों के खाते खुलवाकर करता था अवैध लेन-देन

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● चिमनगंज मंडी थाना पुलिस ने साइबर धोखाधड़ी और अवैध ऑनलाइन ट्रेडिंग से प्राप्त राशि को ठिकाने लगाने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह आरोपी गरीब लोगों के बैंक खातों का उपयोग कर अवैध लेन-देन करता था और उन्हें कमीशन का लालच देता था।पुलिस के अनुसार मंगल नगर निवासी विशाल चौहान ने शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि कोयला फाटक चौराहे पर उनकी मुलाकात वाजिद नामक युवक से हुई थी। वाजिद खुद को बैंक खाते खुलवाने और उनके माध्यम से लेन-देन कराने वाला बताता था, साथ ही खाताधारकों को मोटा कमीशन देने का झांसा

देता था। जब फरियादी विशाल चौहान को वाजिद की गतिविधियां संदिग्ध लगीं और उन्होंने अपना खाता देने से इनकार कर दिया, तो उनके बीच विवाद हुआ। इसके बाद यह मामला चिमनगंज थाने में दर्ज कराया गया।

जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी वाजिद विभिन्न लोगों के नाम से खुले बैंक खातों में साइबर ठगी और अवैध ऑनलाइन ट्रेडिंग से मिली रकम ट्रांसफर करवाता था। इसका मुख्य उद्देश्य असली अपराधियों की पहचान छिपाना था। खाताधारकों को केवल मामूली कमीशन दिया जाता था, जबकि बड़ी राशि आरोपी और उसके नेटवर्क तक पहुंचती थी।

पुलिस ने आरोपी वाजिद (29) निवासी चंद्रवतीगंज इंदौर को 18 फरवरी को गिरफ्तार कर लिया है। उससे पूछताछ जारी है और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है। यह कार्रवाई थाना प्रभारी निरीक्षक गजेंद्र पचौरिया के नेतृत्व में की गई।

न्यूज़ ब्रीफ

क्लाइमेट चेंज से निपटने में लीडर बन रहा है मध्यप्रदेश : मुख्यमंत्री

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि क्लाइमेट चेंज एक गंभीर वैश्विक चुनौती है। क्लाइमेट चेंज मानव अस्तित्व, आर्थिक स्थिरता और भावी पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा प्रश्न है। उन्होंने कहा कि सतत् विकास की राह में हम पर्यावरण की अनदेखी नहीं कर सकते। विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करना ही प्रगति का मूल आधार है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जोर देकर कहा कि क्लाइमेट चेंज के मामले में ठोस और समयबद्ध समाधान पर काम करना आज की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत की क्लाइमेट चेंज को लेकर प्रतिबद्धताओं में भी राज्यों का योगदान भी महत्वपूर्ण है। मध्यप्रदेश क्लाइमेट चेंज से निपटने में सर्वाधिक नवकरणीय ऊर्जा का उत्पादक बन लीडर की भूमिका में है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश देश के सबसे तेज गति से विकास करने वाले राज्यों में अग्रणी है। यहां लगभग हर क्षेत्र में तेजी से विकास हुआ है।

लक्ष्य कार्यक्रम : शासकीय पीसी सेठी चिकित्सालय की उपलब्धि

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारत सरकार ने सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में प्रसूति गृह और प्रसूति ऑपरेशन थियेटर्स में देखभाल की गुणवत्ता में सुधार के लिए लक्ष्य '' पहल की शुरूआत की है। यह प्रसव-पूर्व और तत्काल प्रसवोत्तर अवधि पर केंद्रित एक बहुरूपी आयामी दृष्टिकोण है। शिशुओं के जन्म के समय प्रसव कक्षों में देखभाल की गुणवत्ता बेहतर करना अत्यंत जरुरी है, ताकि माँ एवं नवजात शिशु दोनों के ही जीवन में कोई खतरा न हो। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा लक्ष्य' - प्रसव कक्ष गुणवत्ता सुधार पहल लॉन्च की गई है। यह कार्यक्रम प्रसव कक्ष, मैटरनिटी ऑपरेशन थियेटर और प्रसूति संबंधी गहन देखभाल इकाइयों तथा उच्च निर्भरता इकाइयों में गर्भवती महिलाओं के लिये देखभाल की गुणवत्ता में सुधार करेगा।

इंदौर मेट्रो को बता दिया खिलौना, नहीं मिल रही सवारी, उपयोगिता पर इस वजह से उठने लगे सवाल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्य प्रदेश की पहली इंदौर मेट्रो ट्रेन में बैठने के लिए न तो सवारी है और न ही बिजली बिल और संचालन पर खर्च को लेकर स्पष्ट स्थिति। इस वजह से भविष्य में इसकी उपयोगिता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। शहर के वरिष्ठ प्लानर और इंजीनियर अतुल सेठ कहते हैं कि इंदौर नगर निगम अपना ही बिजली बिल भरने के लिए संघर्ष करता है, तो मेट्रो जैसे बड़े प्रोजेक्ट का भार उठा पाना निगम के बस की बात नहीं है। जाहिर है ऐसी स्थिति में इंदौर में यह पूरा प्रोजेक्ट भविष्य में सफेद हाथी सिद्ध हो सकता है।'

मेट्रो लाइन के प्लानिंग पर उठ रहे सवाल : 2013 में जब इंदौर मेट्रो को लेकर प्लानिंग शुरू हुई थी तब इसे देवास नाका से पाटनीपुरा रेलवे स्टेशन और फूटी कोठी तक चलाने का प्रस्ताव था। इसी प्रकार मेट्रो को दूसरे चरण में एयरपोर्ट से शुरू होकर रेलवे स्टेशन और बिचौली मरदाना तक ले जाना था, लेकिन बाद में इसके रूट में बदलाव कर इसे उज्जैन रोड से विजयनगर से घूमकर एमजी रोड और फिर राजेंद्र नगर ले जाने की प्लानिंग हुई, जिस पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

शनिवार और रविवार को भी नहीं मिल रही सवारी : एयरपोर्ट से गांधीनगर और गांधीनगर से रेडिसन होटल तक 19 किलोमीटर का रूट तैयार किया गया है। उसमें अधिकांश क्षेत्र में न तो आबादी है और न ही कोई बड़ा हॉस्पिटल और स्कूल। ऐसी स्थिति में अगले 45 सालों तक इसमें कौन बैठेगा यह भी तय नहीं है। इंदौर मेट्रो को जनता का खिलौना बताते हुए शहर के वरिष्ठ प्लानर और इंजीनियर अतुल सेठ ने कहा, 'शुरुआत में मेट्रो में लोगों ने फ्री में सवारी करके मनोरंजन तो किया, लेकिन अब इसमें शनिवार और रविवार को चलाने पर भी सवारी नहीं मिल रही है।

कमर्शियल रन हुआ बंद, 15 कर्मचारी की विदाई : इंदौर मेट्रो में सवारी के नहीं मिलने के कारण बीते दिनों 9 कर्मचारियों को नोटिस देकर विदाई दे दी है। इसी प्रकार भोपाल में भी 6 कर्मचारियों को हटाया गया है। इंदौर में पहले सप्ताह इसे निशुल्क चलाया गया था, लेकिन उसके बाद भी सफर करने वाले यात्री मेट्रो को नहीं मिले। खर्चा ज्यादा और आमदनी नहीं होने के कारण मेट्रो का कमर्शियल रन अगले आदेश तक बंद कर दिया गया है।

बढ़ती जनसंख्या के साथ उपयोगिता बढ़ने की बात कही : दूसरे चरण में 17 किलोमीटर का कमर्शियल रन शुरू करना है, जिसकी युद्ध स्तर पर तैयारी हो रही है। इस मामले में मेट्रो रेल की जनसंपर्क अधिकारी धीरज शुक्ला ने कहा, ' फिलहाल 5 स्टेशन पर कम सवारी के साथ ट्रेन चल रही है, लेकिन जल्द ही 11 स्टेशन और बढ़ने पर मेट्रो का व्यवस्थित कमर्शियल रन शुरू हो जाएगा।'' उन्होंने कहा, 'जल्द ही इसके दूसरे चरण पर तेजी से काम करने के निर्देश दिए गए हैं। जहां तक इसके उपयोग का सवाल है, तो यह उच्च स्तरीय पॉलिसी के तहत स्थापित प्रोजेक्ट है। जिसकी बढ़ती जनसंख्या और समय के साथ उपयोगिता बढ़ेगी।

750 करोड़ रुपए से बढ़कर 1150 करोड़ हुई लागत

अतुल सेठ ने बताया, 'इंदौर मेट्रो की क्षमता के आकलन के अनुसार इसमें हर घंटे में करीब सवा लाख यात्री की जरूरत होगी, लेकिन इंदौर में ट्रेन को कितनी संख्या में यात्री उपलब्ध होंगे ये किसी सर्वे में साबित नहीं हुआ है। वर्तमान में जब इसकी लागत 750 करोड़ रुपए से बढ़कर 1150 करोड़ हो चुकी है। ऐसे में यदि अगले 4 से 5 साल तक इसका निर्माण कार्य चला, तो यह लागत कितनी होगी और कहां से आएगी यह भी प्रश्न है।'

सालाना 400 करोड़ रुपए होगी खर्च

अतुल सेठ ने बताया, 'मेट्रो को चलाने के लिए सालाना 300 करोड़ रुपए का बिजली बिल आएगा। इसके अलावा इसके रखरखाव और सिक्योरिटी पर अतिरिक्त खर्च आएगा। जो कुल मिलाकर 400 करोड़ रुपए होगा। इस खर्च की तुलना में टिकट बिक्री के बाद जो घाटे की राशि बकाया रहेगी, उसकी भरपाई कैसे होगी और कौन करेगा? इस पर राज्य सरकार और जिम्मेदार लोगों को सोचना चाहिए।'

भंडारी अस्पताल में नवविवाहिता की मौत परिजनों का आरोप गलत ब्लड चढ़ाया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के भंडारी अस्पताल में एक नवविवाहिता की मौत हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया कि अस्पताल ने गलत ब्लड चढ़ाया है। इसी कारण उनकी मौत हो गई। परिजनों ने विजयनगर थाने में शिकायत की है। वहीं, अस्पताल प्रबंधन ने इन आरोपों को गलत बताया है।

इंदौर के भंडारी अस्पताल में शालिनी सिंह की मौत। परिजनों ने गलत ब्लड चढ़ाने का आरोप लगाया। अस्पताल ने कहा, शालिनी को टाइफाइड था, इलाज सही था। शालिनी की हालत बिगड़ी, 18 फरवरी को मौत हो गई। पुलिस जांच शुरू, पोस्टमार्टम से मौत के कारण का पता चलेगा।

यह हुई घटना-इंदौर के भंडारी हॉस्पिटल में सुंदरम नगर की 24 वर्षीय नवविवाहिता शालिनी सिंह की मौत हो गई। शालिनी की शादी 22 नवंबर को हुई थी और वह कंधे में दर्द की शिकायत लेकर अस्पताल आई थीं। डॉक्टरों ने जांच की तो पाया कि उनका

हिमोग्लोबिन बहुत कम था। वहीं, 16 फरवरी को उन्हें ब्लड चढ़ाने के लिए भर्ती किया गया। पहले एक यूनिट ब्लड चढ़ाया गया, फिर 17 फरवरी को दो यूनिट और चढ़ाए गए। इसके बाद शालिनी की हालत बिगड़ने लगी और उन्हें आईसीयू में शिफ्ट कर दिया गया। परिवार का कहना है कि आईसीयू में चल रहे इलाज की जानकारी उन्हें नहीं दी गई और 18 फरवरी की सुबह अचानक उनकी मौत की खबर मिली।

इसलिए मौत होने के लगे आरोप-शालिनी के ससुर, सत्येंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि अस्पताल (भंडारी अस्पताल इंदौर) ने दूषित ब्लड चढ़ाया, जिससे उनकी हालत बिगड़ गई। उनका आरोप है कि गंदा खून चढ़ने के कारण शालिनी के शरीर में इन्फेक्शन फैल गया और फिर उनकी मौत हो गई। उन्होंने कहा कि डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए और अस्पताल प्रबंधन को छोड़ा नहीं जाएगा। इस मामले की शिकायत उन्होंने विजय नगर पुलिस से की है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और शालिनी का पोस्टमार्टम भी कराया जाएगा, ताकि मौत के असली कारणों का पता चल सके।

उधर अस्पताल प्रबंधन का जवाब-परिजनों के आरोपों पर अस्पताल के आईसीयू प्रभारी डॉ. हरीश सोनी ने कहा कि एक 25 वर्षीय महिला जिनका नाम शालिनी सिंह है, उन्हें खून की कमी के कारण अस्पताल में भर्ती किया गया था। जांच के दौरान पता चला कि उन्हें टाइफाइड भी हो रहा है। वो यहां 16 तारीख को भर्ती हुई थीं और उन्हें 16 और 17 तारीख को खून चढ़ाया गया था।

अभिनेता राजपाल यादव चेक बाउंस में आदतन अपराधी
इंदौर में यादव के साथ पत्नी का भी अरेस्ट वारंट

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● बॉलीवुड एक्टर राजपाल यादव चेक बाउंस केस में 12 दिन से तिहाड़ जेल (दिल्ली) में थे। वहीं, बुधवार, 18 फरवरी को जमानत शर्तों पर बाहर आ गए हैं। इस दौरान बॉलीवुड से जमकर सहानुभूति मिली। कई साथी कलाकारों ने उनकी आर्थिक मदद भी की है।

यादव पर चेक बाउंस का यह पहला मामला नहीं है। पैसे लेकर न लौटाने की उनकी पुरानी शिकायतें भी हैं। इसमें उन पर गंभीर आरोप भी हैं। इस मामले में उनकी पत्नी राधा यादव भी आरोपी हैं। इंदौर में राजपाल यादव के साथ ही उनकी पत्नी राधा यादव के खिलाफ एक नहीं, बल्कि दो-दो अरेस्ट वारंट हैं। यह चेक बाउंस के मामले हैं। उनके जरिए दिए गए पांच-पांच लाख के दो चेक और एक दस लाख का चेक बाउंस हो चुका है। जिला कोर्ट में तीन केस चेक बाउंस के यादव दंपती पर चल रहे हैं। राजपाल और राधा यादव के खिलाफ यह वारंट सुरिंदर सिंह के जरिए लगाई गई याचिकाओं पर

हुआ है। न्यायाधीश हर्षवर्धन रावत की कोर्ट से 23 दिसंबर को दो चेक बाउंस के मामले में अरेस्ट वारंट जारी हुए थे। याचिकाकर्ता सुरिंदर सिंह (जो मूल रूप से कश्मीरी हैं) ने इस संबंध में थाने में एक शिकायती आवेदन भी दिया है। इसमें आरोप है कि राजपाल यादव ने उनके बेटे को सिंगर बनाने की बात कही थी। साथ ही, इसके लिए उन्हें लाखों रुपए कैश दिए गए थे। सुरिंदर सिंह ने आरोप लगाया कि राजपाल यादव ने उनके साथ धोखाधड़ी की है। इसके लिए उन्होंने धोखाधड़ी और 420 (धोखाधड़ी) के तहत केस दर्ज करने की मांग की है। यह शिकायती आवेदन पुलिस की जांच में है। वहीं, इस संबंध में यादव के वकील संजय चौहान ने बताया कि तीन चेक बाउंस के मामले हैं। इसमें हमारे पक्षकार उन्हें राशि जमा कर चुके हैं। राजपाल यादव 9 फरवरी को इस सेटलमेंट के लिए आ रहे थे। राशि लेने के बाद भी याचिकाकर्ता ने केस नहीं उठाया है। हालांकि इसके पहले ही दिल्ली वाला हादसा यादव के साथ हो गया। अभी तक याचिकाकर्ता को हमारे पक्षकार 68 लाख रुपए लौटा चुके हैं।

यह है राजपाल यादव का तिहाड़ जेल केस

राजपाल यादव ने अपनी फिल्म 'अता पता लापता' के लिए व्यापारी माधव गोपाल अग्रवाल से कर्ज लिया था। साल 2012 में ली गई राशि, जो 9 करोड़ रुपए थी, वह नहीं लौटाई गई। इसके बदले में चेक दिए गए, जो बाउंस हो गए।

याचिकाकर्ता अग्रवाल का कहना है कि मैंने उन्हें राशि उधार दी थी। कई बार उनसे राशि वापस मांगी, लेकिन वह नहीं लौटाई गई। इस मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने उन्हें सरेंडर होने के आदेश दिए थे। इसके बाद उन्हें तिहाड़ जेल भेजा गया।

नर्सी मूंजी यूनिवर्सिटी में तोड़फोड़
बजरंग दल के चार कार्यकर्ताओं पर मामला दर्ज

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर की NMIMS यूनिवर्सिटी में वेलेंटाइन प्रोग्राम के दौरान बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने तोड़फोड़ की थी। पुलिस ने अब चार नामजद सहित कई पर स्न्द्धक्र दर्ज की है। नर्सी मूंजी यूनिवर्सिटी में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने वेलेंटाइन-डे कार्यक्रम में तोड़फोड़ की। कार्यकर्ता कार्यक्रम बंद कराने पहुंचे, छात्रों और स्टाफ के साथ अभद्रता की। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज जांचने के बाद 4 कार्यकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की।

इंदौर के नर्सी मूंजी यूनिवर्सिटी में 12 फरवरी को एक विवादित घटना घटी। विश्वविद्यालय में वेलेंटाइन वीक के कार्यक्रम को लेकर बजरंग दल के चार कार्यकर्ताओं और कुछ अज्ञात लोगों ने हंगामा किया और तोड़फोड़ की। इस घटना से स्थिति

इतनी बिगड़ गई कि पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। इस मामले में पुलिस ने अब चार नामजद सहित अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

कार्यक्रम को लेकर हंगामा-वेलेंटाइन डे पर यूनिवर्सिटी में एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसमें छात्र-छात्राओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया। यहां कुछ बजरंग दल के कार्यकर्ता कार्यक्रम में जबरन घुस आए। उनका आरोप था कि यह कार्यक्रम अश्लील था। आरोपियों ने छात्रों के साथ मारपीट की और विश्वविद्यालय के कैंपस में स्थित कांच के शीशे तोड़ दिए। यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने इस घटना के बारे में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस को सीसीटीवी फुटेज भी उपलब्ध कराए गए। गांधी नगर पुलिस ने फुटेज की जांच के बाद चार बजरंग दल कार्यकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। डीसीपी जोन-1 कृष्णलाल चंदानी के मुताबिक, इन कार्यकर्ताओं के खिलाफ तोड़फोड़, बलवा, जबरन घुसने और मारपीट की धाराओं में मामला दर्ज किया गया। इस घटना में मुख्य आरोपी कृष्णा मोघे, चेतन राठौर, रोहित चौहान, योगेश प्रजापत और दुर्गेश कुमार हैं। इन आरोपियों पर अन्य कई लोगों को भी शामिल किया गया है। नर्सी मूंजी यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर अंशुमान जयसवाल ने बताया कि आरोपी बजरंग दल के कार्यकर्ता नजदीकी यूनिवर्सिटी के छात्रों के साथ आए थे। यूनिवर्सिटी के पास इस घटना के फुटेज भी हैं, जिन्हें पुलिस को सौंपा गया था।

सवाल उठने वाली घटना-यह घटना न केवल विश्वविद्यालय में अराजकता का कारण बनी, बल्कि इससे संबंधित अन्य संस्थाओं की जिम्मेदारी भी सवालों के घेरे में आ गई। इस मामले ने न केवल राजनीतिक बल्कि सामाजिक रूप से भी हंगामा मचा दिया है।

'बच्चा चोरी गैंग' की अफवाह फैलाने वालों पर पुलिस प्रशासन का कड़ा एक्शन
फर्जी वीडियो वायरल करने वाले सोशल मीडिया अकाउंट्स पर केस

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में सोशल मीडिया पर बच्चों के चोरी होने की गैंग के सक्रिय होने और इलाकों से बच्चों के चोरी होने की अफवाह फैलाने वाले लोगों पर पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। सोशल मीडिया पर 'बच्चा चोरी गैंग' की झूठी और भ्रामक खबरें फैलाने वालों पर इंदौर पुलिस ने केस दर्ज किया है।

पुलिस ने ऐसे कई इंस्टाग्राम अकाउंट्स के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उन्हें चेतावनी दी है कि अफवाह फैलाने पर अब सीधे कानूनी कार्रवाई होगी। पुलिस के अनुसार... थाना हीरानगर, राऊ और खजराना में धारा 223 बीएनएस के तहत अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए गए हैं। इन मामलों में सोशल मीडिया पर बिना पुष्टि के वीडियो और पोस्ट वायरल कर शहर में डर और भ्रम का माहौल बनाने की कोशिश की गई, जिससे आमजन में भय आया है।

यह निकला पुलिस जांच में - तस्दीक के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि शहर में कहीं भी बच्चा चोरी या किडनैपिंग की कोई घटना दर्ज नहीं हुई है। सभी वायरल वीडियो और पोस्ट पूरी तरह भ्रामक और झूठे पाए गए हैं। इसके बाद केस दर्ज किए गए हैं। इंदौर पुलिस ने साफ कहा है कि सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाना गंभीर अपराध है। ऐसे मामलों में अब सीधे एफआईआर दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी खबर को शेयर करने से पहले उसकी सत्यता जरूर जांच लें और अफवाहों से बचें। बिना पुष्टि के वीडियो/पोस्ट शेयर करना भी अपराध की श्रेणी में आ सकता है। अफवाह फैलाने वालों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

ऐसे फैलाई गई अफवाहें-हीरानगर थाना क्षेत्र में 'सच्चा खबर इंदौर' नाम की इंस्टाग्राम आईडी से एक व्यक्ति को बच्चा चोर बताकर झूठी जानकारी वायरल की गई, जिससे लोगों में दहशत फैली। राऊ थाना क्षेत्र में 'आदित्य सिंह' नाम के अकाउंट से एक महिला को बच्चा चोर बताते हुए वीडियो पोस्ट किया गया और लोगों को सतर्क रहने की अपील के नाम पर भ्रम फैलाया गया।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल को रसोई में दिखी गंदगी, खाना छोड़ा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर की रेसीडेंसी कोठी में राज्यपाल मंगुभाई पटेल के ठहरने के दौरान ऐसी तस्वीर सामने आई जिसने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए। बेड शीट गंदी मिली, फिर रसोई में भी गंदगी दिखाई दी। यहां तक कि चाय भी ठंडी पहुंचाई गई।

- राज्यपाल डीएवीवी दीक्षांत समारोह में शामिल होने इंदौर आए
- रेसीडेंसी कोठी के रूम नंबर 1 और 2 में ठहरे
- किचन निरीक्षण में गंदगी, गंदे बर्तन और सड़े आलू मिले
- बेडशीट पर दाग मिलने से भी नाराजगी
- भोजन एयरपोर्ट पर करने का निर्णय।

मंगलवार,17 फरवरी को राज्यपाल मंगुभाई पटेल देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होने इंदौर पहुंचे थे। वे रेसीडेंसी कोठी के कक्ष क्रमांक 1 और 2 में ठहरे थे। सुबह निरीक्षण के दौरान एडीसी नरेंद्र रावत (IPS) और अधिकारी विपुल शाह जब किचन पहुंचे तो वहां की स्थिति देखकर चौंक गए। रसोई में गंदगी थी। बर्तन भी गंदे पड़े थे।

राज्यपाल को दी गई सूचना-स्थिति की जानकारी राज्यपाल को दी गई। इसके बाद उन्होंने वहां (रेसीडेंसी कोठी) भोजन करने से इनकार कर दिया। इसके बाद अधिकारियों को सूचित किया कि वे एयरपोर्ट पर भोजन करेंगे।

सुरक्षा अधिकारियों को दी गई थी गंदी बेडशीट-जानकारी के अनुसार, राज्यपाल की सुरक्षा में तैनात अधिकारियों को दागदार बेडशीट दी गई थी। साफ बेडशीट की मांग पर संतोषजनक जवाब नहीं मिला। इसके बाद चाय भी ठंडी पहुंचा दी गई। इसके बाद सुरक्षा अधिकारी ने किचन और पैंट्री का निरीक्षण किया। यहां फ्रिज में भी सड़ी सामग्री रखी मिली।

एजेंसी पर एक्शन-किचन इंचार्ज राकेश सिंह और अमित शर्मा को फटकार लगाई गई। दोपहर में नए कुकर और क्रॉकरी की व्यवस्था कराई गई। बता दें कि हाउसकीपिंग की जिम्मेदारी रतन एंपोरियम सिक्योरिटी कंपनी के पास है। कर्मचारियों के अनुसार, जुलाई 2023 से भुगतान लंबित है। हाल ही में मात्र चार लाख रुपए दिए गए हैं। मामला सामने आते ही कलेक्टर ने एजेंसी को टर्मिनेट कर दिया है। ये भी बताया जा रहा है कि कंपनी को 20 लाख तक का भुगतान किया गया है।

किचन इंचार्ज ने बताई नाराजगी की वजह-किचन इंचार्ज राकेश प्रताप ने कहा कि बेडशीट पर दाग लगा हुआ था। इस कारण साहब नाराज हो गए। किचन में आए तो उन्हें बर्तन खराब मिले और कुछ छिलके बिखरे हुए थे।'

एजेंसी को किया गया टर्मिनेट-इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा ने कहा कि एजेंसी को बदल दिया गया है और नई व्यवस्था भी लागू कर दी गई है। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में ऐसा न हो, इसके लिए सख्ती बरती जाएगी। राज्यपाल स्तर के दौरे में ऐसी स्थिति चिंता का विषय है। प्रशासनिक जानकारों के मुताबिक, वीवीआईपी दौरे से पहले प्रोटोकॉल के तहत निरीक्षण होना चाहिए। यदि अंतिम समय में ऐसी स्थिति सामने आती है, तो यह मॉनिटरिंग सिस्टम की गंभीर चूक मानी जाती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : अक्षय तिवारी द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इंदौर (मप्र) - 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरुद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।